CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-17, अंक-203 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत में चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरूवार 05 नवंबर 2026



न्यूज अपटेड



सुबह 9 बजे तक कमा लिए 9 करोड़

मुंबई। रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायण' सिर्फ भारत में नहीं, बल्कि करीब 100 देशों में रिलीज हो रही है। फिल्म लगभग 59 हजार स्क्रीन पर दिखाई जाएगी। इसे 40 भाषाओं में डब किया गया। फिल्म ने सुबह 9 बजे तक 9 करोड़ से अधिक कमा लिए। यह फिल्म 4 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनाई गई है और इसके बीएफएक्स दर्शकों को काफी पसंद आ रहे हैं।

25 नवंबर को 100% एथेनाल वाली कार की लांचिंग

नई दिल्ली। देश में एथेनॉल पेट्रोल पर बढ़ते विवाद के बीच देश में 100 प्रतिशत एथेनॉल से चलने वाली टोयटा इनोवा कार की केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी लांचिंग करेंगे। गडकरी ने कहा कि यह टेक्नालाजी हमारे लिए नई हो सकती है, लेकिन कई देशों में 100 प्रतिशत इथेनाल से वाहन चल रहे हैं।

सत्ता बदली है नीयत नहीं... अमेरिकी चुनाव पर खोमेनई की दो टूक



तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर मोज्तबा खामेनेई ने कहा कि अमेरिका में सत्ता में चाहे कोई भी राजनीतिक पार्टी आए, तेहरान के प्रति वाशिंगटन की दुश्मनी का रवैया नहीं बदलेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो लोग मिडटर्म नतीजों के बाद अमेरिकी नीति में बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि अमेरिका की दुश्मन निगाहें जारी रहेंगी।

दिल्ली पुलिस ने दुबई से दबोचा रेप का आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग (इंटरपोल) के जरिए बलात्कार के एक आरोपी सजीर पल्ली मूप्पन उर्फ सजीर (38) को विदेश से वापस लाया गया है, जो केरल के कन्नूर का रहने वाला है और एक कंपनी में मैनेजर के तौर पर काम करता था।

पंजाब में पराली जलाने के 2347 मामले

अमृतसर। पंजाब में धान की कटाई के साथ ही पराली जलाने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। खेतों में फसल अवशेष जलाने पर रोक लगाने के लिए प्रशासन की ओर से कार्रवाई की जा रही है। राज्य में पराली जलाने की कुल 2347 घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन मामलों में 40.37 लाख रुपए का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया है, जबकि अब तक 23.05 लाख रुपए की वसूली हो चुकी है।

जयपुर में बनी सवा लाख रुपए किलो की मिठाई

जयपुर। यहां एक मिठाई विक्रेता ने ऐसी मिठाई बनाई है, जिसकी एक किलो की कीमत में बाइक खरीदी जा सकती है। करीब सवा लाख रुपए किलो में बिक रही इस मिठाई का नाम त्योहार अशर्फी रखा गया है। अंदर बादाम और ऊपर सोने की परत चढ़ी इस सिक्के जैसी मिठाई की कीमत 9 ग्राम के सिर्फ एक पीस के लिए 1,111 रुपए रखी गई है। यानी एक किलो मिठाई की कीमत करीब 1.23 लाख रुपए बैठती है। दुकान की फाउंडर सीए अंजलि जैन ने बताया कि इसके अंदर बादाम से तैयार किया गया हिस्सा है। इसमें खाने लायक सोना यानी स्वर्ण भस्म मिलाई गई है। इसके बाद मिठाई के ऊपर सोने की पतली परत चढ़ाई जाती है और केसर से इसे सजाया जाता है। यानी यह सिर्फ सोने के सिक्के जैसी दिखने वाली मिठाई नहीं है, बल्कि इसमें खाने लायक सोने का भी इस्तेमाल किया गया है। इसकी एक पीस की कीमत 1,111 रुपए रखने के पीछे शुभ माने जाने वाले नंबर का ख्याल रखा गया है।

धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ दामोदर यादव की चेतावनी, 15 नवंबर को आश्रम में ताला लगाने का ऐलान

उज्जैन. भगवान श्रीकृष्ण पर विवादित टिप्पणी के मामले में माफी मांगने के बावजूद बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का विरोध जारी है. उज्जैन के टॉवर चौक पर आजाद समाज पार्टी के नेता दामोदर यादव ने उनके खिलाफ प्रदर्शन करते हुए धर्म को धंधा बनाने और भगवान श्रीकृष्ण का अपमान करने का आरोप लगाया. उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बागेश्वर धाम आश्रम को सील करने और धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथाओं पर रोक लगाने की मांग की. इसके लिए उन्होंने 14 नवंबर तक का अल्टीमेटम दिया है.

दामोदर यादव ने कहा कि वे धर्म विरोधी न कल थे, न आज हैं और न कभी होंगे. धर्म उनके लिए आत्मा के समान है. उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि यदि वे स्वयं को भगवान श्रीकृष्ण का वंशज बताते हैं तो उन्हें भगवान का



अपमान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए. यादव ने चेतावनी दी कि 14 नवंबर तक मांग पूरी नहीं हुई तो 15 नवंबर को वे एक हजार वाहनों के काफिले के साथ बागेश्वर धाम पहुंचकर आश्रम में ताला लगाने जाएंगे.प्रदर्शन के दौरान दामोदर यादव ने धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया. उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि छतरपुर में रहने वाले धीरेंद्र शास्त्री भगवान श्रीकृष्ण पर अनुचित टिप्पणियां कर रहे हैं, ऐसे में सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए. उन्होंने कहा कि वे संविधान और मानवतावादी विचारधारा में विश्वास रखते हैं, लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए. यादव ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आश्रम में ताला लगाने की चेतावनी भी दोहराई.करैरा की कथा में टिप्पणी के बाद शुरू हुआ विवाददरअसल, हाल ही में शिवपुरी जिले के करैरा में श्रीराम कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के स्वरूप की तुलना करते हुए श्रीकृष्ण को टेढ़ा-मेढ़ा बताया था. उनकी इस टिप्पणी पर कई समाजों ने आपत्ति जताई. प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए और पुतले भी जलाए गए. विरोध बढ़ने के बाद धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपनी टिप्पणी पर माफी मांग ली थी. इसके बावजूद उनके खिलाफ विरोध जारी है.

होर्मुज जलडमरूमध्य से भारत को जहाजों की आवाजाही में ईरान ने दी विशेष छूट

नई दिल्ली. पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही पर प्रतिबंधों के बीच भारत को बड़ी कूटनीतिक राहत मिली है. ईरान ने भारत, चीन, इराक और कतर को इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से जहाजों के आवागमन में विशेष छूट देने का फैसला किया है. इससे भारतीय तेल और व्यापारिक जहाजों के लिए इस महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते से गुजरने का विकल्प खुला रहेगा.



ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अमीर हयात मोकद्दम के बयानों और राजनयिक सूत्रों के मुताबिक, तेहरान ने कुछ चुनिंदा देशों को प्रतिबंधों से राहत दी है. कतर को बिना शुल्क आवाजाही की अनुमति दी गई है, जबकि भारत और चीन के लिए ट्रांजिट फीस तथा विशेष रणनीतिक समझौतों के तहत मार्ग उपलब्ध कराया गया है. बताया जा रहा है कि इसके बदले ईरान भारत से जरूरी दवाओं की आपूर्ति और कूटनीतिक सहयोग चाहता है.

इस फैसले को भारत और ईरान के बीच हालिया मानवीय सहयोग से भी जोड़कर देखा जा रहा है. भारतीय नौसेना और वायुसेना ने हाल ही में समुद्र में संकट में फंसे 20 ईरानी नाविकों को सुरक्षित बचाया था. इस रेस्क्यू ऑपरेशन को दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग मजबूत करने की दिशा में अहम घटनाक्रम माना जा रहा है.भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से होर्मुज जलडमरूमध्य बेहद महत्वपूर्ण है. देश के कच्चे तेल और गैस आयात का एक बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है. ऐसे में ईरान की ओर से भारतीय जहाजों को विशेष छूट मिलने से तेल आपूर्ति और व्यापारिक गतिविधियों पर संभावित असर कम करने में मदद मिल सकती है.

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परिवहन मार्गों में शामिल है. यहां जहाजों की आवाजाही बाधित होने से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार, गैस आपूर्ति और वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है. ऐसे हालात में भारत को मिली यह राहत रणनीतिक और आर्थिक दोनों दृष्टि से अहम मानी जा रही है.

उत्तरकाशी में नदी में गिरी इनोवा, चार लोगों के शव मिले; सात थे सवार, तलाश जारी

उत्तरकाशी. उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी धर्मकुंड के समीप गुरुवार को एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी. हादसे के समय वाहन में सात लोग सवार थे. दुर्घटना के बाद चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में अब तक चार लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं. वहीं, अन्य यात्रियों की तलाश के लिए नदी में सर्च अभियान जारी है.



जानकारी के अनुसार, गंगनानी धर्मकुंड से करीब 20 मीटर आगे डबरानी की ओर जाते समय इनोवा चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा, जिससे कार सीधे नदी में जा गिरी. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एसडीआरएफ और 108 एंबुलेंस सेवा की टीमें मौके पर पहुंचीं. जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर तत्काल राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया गया.

नदी किनारे चार लोगों के शव मिलने के बाद उनकी पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. वहीं, वाहन में सवार अन्य लोगों की तलाश के लिए जल पुलिस और गोताखोरों को लगाया गया है. नदी का तेज बहाव बचाव कार्य में बाधा बन रहा है. रेस्क्यू टीमें संभावित स्थानों पर लगातार तलाश कर रही हैं.हादसे में घायल एक व्यक्ति को मनेरी पुलिस की मदद से सड़क तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि उसे तत्काल उपचार मिल सके. प्रशासन ने आपदा प्रबंधन केंद्र और चिकित्सा दल को अलर्ट पर रखा है.जिलाधिकारी प्रशांत आर्य पूरे अभियान की निगरानी कर रहे हैं. अधिकारियों को बचाव कार्य में तेजी लाने और प्रभावितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है. फिलहाल हादसे में मृतकों की पहचान और अन्य यात्रियों की स्थिति को लेकर प्रशासन की ओर से विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है.

प्रदेश के शहरों में लगे कचरे के ढेर

1 लाख से ज्यादा सफाईकर्मी हड़ताल पर, कचरा वाहनों के पहिए थमे



भोपाल। प्रदेश में इस बार दीपावली से पहले सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से शहरों में कचरे के ढेर लग गए हैं। कचरा उठाव नहीं होने से घरों के बाहर एवं भीतर कचरा जमा हो गया है। राजधानी भोपाल समेत अन्य प्रमुख शहरों में सफाईकर्मचारी गुरुवार को चौथे दिन हड़ताल पर हैं। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन (7262) के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट ने बताया कि संगठन के सभी पदाधिकारियों ने मिलकर हड़ताल का फैसला लिया है। यूनियन का दावा है कि प्रदेश के 16 नगरीय निकायों और 374 नगर परिषदों के एक लाख से ज्यादा कर्मचारी इसमें शामिल हैं। हड़ताल के कारण घरों से कचरा उठाने के साथ सड़कों की सफाई का काम भी बंद है। यूनियन ने साफ किया है कि जब तक चारों मांगें पूरी नहीं होंगी, कर्मचारी काम पर नहीं लौटेंगे। हड़ताल से पहले मंगलवार को भी सफाईकर्मियों ने भोपाल में प्रदर्शन किया था। वे मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपना चाहते थे, लेकिन उनके मुताबिक कोई जिम्मेदार अधिकारी ज्ञापन लेने नहीं पहुंचा। इससे नाराज कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने की योजना बनाई। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया। इसके विरोध में कर्मचारी करीब दो घंटे तक सड़क पर बैठे रहे।

अमेरिका में अब्दुल की जीत से उत्साहित ओवैसी, यूपी के मुस्लिम वोटरों को लेकर कही बड़ी बात

नई दिल्ली. अमेरिका की राजनीति में अब्दुल अल-सयद की जीत को लेकर भारत में भी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं.मुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उनकी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए इसे उत्तर प्रदेश की राजनीति से जोड़ दिया है. ओवैसी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि अब यूपी के अब्दुल को भी अपनी राजनीतिक पहचान मजबूत करने की जरूरत है. उनका बयान सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई है.ओवैसी बोले- अब दरी नहीं बिछाएंगेअसदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अब्दुल अल-सयद की जीत को लेकर पोस्ट साझा की. उन्होंने लिखा, एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया, अब उत्तर प्रदेश के अब्दुल को अपनी सियासी



पहचान मजबूत करनी होगी.ओवैसी ने आगे कहा कि अब्दुल शब्द को तंज के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश की गई है. उन्होंने लिखा कि अब वक्त आ गया है जब अपनी राजनीतिक पहचान और अधिकारों को मजबूत किया जाए. इसी क्रम में उन्होंने कहा, ÷अब दरी नहीं बिछाएंगे.÷ओवैसी के इस बयान को उत्तर प्रदेश में मुस्लिम समाज की राजनीतिक भागीदारी और प्रतिनिधित्व से जोड़कर देखा जा रहा है.अब्दुल अल-सयद इससे पहले 2018 में मिशिगन के गवर्नर पद के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राइमरी में चुनाव लड़ चुके हैं. उस मुकाबले में उन्हें ग्रेचेन व्हिटमर से हार का सामना करना पड़ा था.इसके बाद उन्होंने कुछ समय तक सक्रिय चुनावी राजनीति से दूरी बनाई. इस दौरान पॉडकास्ट, लेखन और मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक मुद्दों पर अपनी बात रखते रहे. अब उनकी अल-सयद की जीत के बहाने उत्तर प्रदेश में राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाया है. उनके बयान में मुस्लिम समाज से अपनी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और स्वतंत्र राजनीतिक पहचान बनाने की अपील दिखाई देती है.इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में मुस्लिम प्रतिनिधित्व और चुनावी रणनीति को लेकर नई चर्चा शुरू हो सकती है.

कौन हैं अब्दुल अल-सयद?

अब्दुल अल-सयद अमेरिकी राजनीति में उभरते हुए डेमोक्रेटिक नेता हैं. उन्होंने मिशिगन यूनिवर्सिटी और कोलंबिया यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई की है. इसके अलावा उन्होंने रोड्स स्कॉलर के रूप में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की डिग्री हासिल की है.उनका चुनावी अभियान मुख्य रूप से आम लोगों की आर्थिक चुनौतियों, स्वास्थ्य सुविधाओं और उन्होंने सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की नीति यानी मेडिकेयर फॉर ऑल का समर्थन किया. इसके अलावा इजरायल को अमेरिकी सैन्य सहायता समाप्त करने और चुनावी फंडिंग व्यवस्था में सुधार जैसे मुद्दे भी उनके एजेंडे में शामिल रहे.

जलवायु परिवर्तन का गर्भ में पल रहे बच्चों पर कहर

भारत में गर्मी से जुड़े 8,830 प्रीमैच्योर जन्म का अनुमान

जलवायु परिवर्तन की चर्चा अक्सर बढ़ते तापमान, सूखे, बाढ़, जंगलों में आग और समुद्र के बढ़ते जलस्तर के संदर्भ में होती है. लेकिन इस संकट का एक ऐसा पहलू भी है, जो सीधे मां और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे के स्वास्थ्य से जुड़ा है. भीषण गर्मी केवल शरीर को थकाती नहीं, बल्कि गर्भावस्था के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है. अप्रैल 2024 में दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में पड़ी असाधारण गर्मी के दौरान भारत, बांग्लादेश और फिलीपींस में समय से पहले बच्चों के जन्म यानी प्रीमैच्योर बर्थ के मामलों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का अनुमान सामने आया है. द्दहृश्र ष्टड्डहड्डश्ठठ्ठ ठ्ठड्डद्य4ह्लह्वष्ह्य (ँष्ट) के एक अध्ययन के मुताबिक, इन तीन देशों में सामान्य अप्रैल की तुलना में लगभग 16,150 अतिरिक्त प्रीमैच्योर जन्म हुए. इनमें से करीब 10,600 मामलों को मानवजनित जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देखा गया है. भारत में अकेले 8,830 ऐसे अतिरिक्त जन्मों का अनुमान है. यह आंकड़ा बताता है कि जलवायु संकट अब केवल पर्यावरण का विषय नहीं, बल्कि मातृ और नवजात स्वास्थ्य की भी बड़ी चुनौती बन चुका है.

अध्ययन में अप्रैल 2024 की गर्मी और प्रीमैच्योर जन्मों के बीच संबंध का आकलन किया गया है. शोध के अनुसार, भारत, बांग्लादेश और फिलीपींस में उस महीने सामान्य परिस्थितियों की तुलना में लगभग 16,150 अतिरिक्त समयपूर्व जन्म हुए.



इन तीनों देशों में इसका प्रभाव अलग-अलग स्तर पर दर्ज किया गया. भारत में प्रीमैच्योर जन्मों में 3.6 प्रतिशत, बांग्लादेश में 11.9 प्रतिशत और फिलीपींस में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया.

हालांकि, अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष 10,600 अतिरिक्त जन्मों से जुड़ा है. शोधकर्ताओं ने इनमें उन मामलों को अलग किया, जिन्हें मानव गतिविधियों के कारण बढ़ रही ग्लोबल वार्मिंग से संबंधित माना गया है. इस विश्लेषण के अनुसार, भारत में 8,830, बांग्लादेश में 1,479 और फिलीपींस में 263 अतिरिक्त प्रीमैच्योर जन्म जलवायु परिवर्तन से जुड़े पाए गए.

इन दोनों आंकड़ों को अलग-अलग समझना जरूरी है. 16,150 का आंकड़ा तीनों देशों में गर्मी के दौरान हुए कुल अतिरिक्त प्रीमैच्योर जन्मों का अनुमान है, जबकि 10,600 उन अतिरिक्त मामलों को दर्शाता है जिन्हें मानवजनित जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जोड़ा गया है.

अध्ययन का एक चिंताजनक पहलू भारत के भीतर क्षेत्रीय प्रभाव को लेकर है. बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और झारखंड में देश के कुल अतिरिक्त प्रीमैच्योर जन्मों का लगभग दो-तिहाई हिस्सा होने का अनुमान लगाया गया है. ये ऐसे राज्य हैं, जहां बड़ी आबादी, गर्मी का लंबा मौसम और कई क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुंच पहले से ही चुनौती बनी हुई है.

इन राज्यों में बड़ी संख्या में लोग खुले वातावरण में काम करते हैं. कृषि, निर्माण कार्य, छोटे उद्योगों और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के लिए अत्यधिक गर्मी से बचना आसान नहीं होता. गर्भावस्था के दौरान लंबे समय तक गर्म वातावरण में रहना, पर्याप्त पानी और आराम न मिलना तथा पौष्टिक भोजन की कमी जोखिम को और गंभीर बना सकती है.

भारत के लिए यह चेतावनी इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि गर्मी की लहरों का प्रभाव अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं है.



एआई से सरकारी अधिकारियों के डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किए प्रसारित

'कृषि क्रांति' पेज के एडमिन पर एफआईआर

इंदौर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के दुरुपयोग का मामला सामने आया है, जिसमें सरकारी अधिकारियों के चेहरों से मिलते-जुलते डीपफेक चेहरे तैयार कर सरकारी कामकाज, कार्यालयों और राष्ट्रीय प्रतीकों से संबंधित भ्रामक एवं आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए। मामले में कृषि विभाग के उप संचालक संदीप यादव की शिकायत पर पंढरीनाथ थाना पुलिस ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर संचालित 'कृषि क्रांति' नामक पेज के एडमिन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शिकायत के मुताबिक, एआई टूल्स की मदद से तैयार किए गए इन वीडियो में शासकीय कर्मचारियों और अधिकारियों को लेकर भ्रामक दृश्य प्रस्तुत किए गए, जिससे सरकारी संस्थाओं की छवि प्रभावित होने के साथ आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कृषि विभाग ने इन वीडियो से किसी भी तरह का संबंध होने से इनकार करते हुए इन्हें फर्जी बताया है।

शिकायत में सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो को लेकर तकनीकी जांच कराने की मांग की गई है। इसके तहत संबंधित प्लेटफॉर्म से वीडियो के यूआरएल, डिजिटल रिकॉर्ड, आईपी लॉग्स और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से जुड़ी जानकारियां जुटाने की बात कही गई है, ताकि वीडियो तैयार करने और प्रसारित करने वाले व्यक्ति की पहचान हो सके। पुलिस ने शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 356(1) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 66सी और 66डी के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की भूमिका और सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री प्रसारित करने के पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है।

थाना प्रभारी की हत्या ने खोली अवैध शराब सिंडिकेट की पोल, मालवा-निमाड़ से गुजरात तक फैला माफिया का नेटवर्क

देवास में अवैध शराब तस्करों द्वारा ड्यूटी पर तैनात थाना प्रभारी दिलीप पुरी को मिनी ट्रक से कुचलकर मार डालने की घटना ने मध्यप्रदेश में सक्रिय शराब माफिया के बढ़ते दुस्साहस और संगठित नेटवर्क की गंभीर तस्वीर सामने ला दी है। मामले में गिरफ्तार आरोपी पश्चिमी मध्यप्रदेश से गुजरात तक फैले अवैध शराब सप्लाई सिंडिकेट का हिस्सा बताए जा रहे हैं। जिस मिनी ट्रक से थाना प्रभारी को रौंदा गया, उसमें बरामद शराब टिमरनी से गुजरात ले जाई जा रही थी। मालवा और निमाड़ के रास्तों से गुजरात तक शराब पहुंचाने का यह अवैध कारोबार लंबे समय से चल रहा है। इसमें माफिया के साथ कुछ अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण की मिलीभगत के आरोप भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं। गुजरात में शराबबंदी के कारण मध्यप्रदेश से पहुंचाई जाने वाली शराब ऊंचे दामों पर बिकती है, जिससे तस्करों को भारी मुनाफा होता है।

आदिवासी बहुल अलीराजपुर जिला इस पूरे नेटवर्क का महत्वपूर्ण केंद्र बताया जाता है। प्रदेश के पिछड़े जिलों में शामिल होने के बावजूद यहां पिछले साल शराब दुकानों के ठेके करीब 25 करोड़ रुपये में दिए गए थे। इससे शराब कारोबार की वास्तविक क्षमता और बिक्री के आंकड़ों को लेकर सवाल उठते हैं। आरोप हैं कि आसपास के जिलों की दुकानों के लिए जारी शराब का स्टॉक कागजों पर बिक्री में दर्शा दिया जाता है, जबकि उसकी बड़ी खेप चोरी-छिपे गुजरात पहुंचा दी जाती है। इंदौर पुलिस ने भी 24 जुलाई को कनाड़िया बायपास पर अवैध शराब से भरा ट्रक पकड़ा था। इस कार्रवाई में लाखों रुपये की शराब जब्त करने के साथ दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। इन आरोपियों के भी इसी सप्लाई नेटवर्क से जुड़े होने की बात सामने आई थी। पूर्व एडीएम रामेश्वर गुप्ता का कहना है कि मध्यप्रदेश से गुजरात तक फैले इस नेटवर्क को खत्म करने के लिए सरकार को अवैध शराब परिवहन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। उनके मुताबिक, अधिक मुनाफे के लालच में



नए लोग भी इस अपराध से जुड़ रहे हैं और कार्रवाई का प्रभावी डर ही इस कारोबार पर अंकुश लगा सकता है।

इस सिंडिकेट का संचालन सुनियोजित तरीके से किए जाने की बात सामने आती रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में शराब दुकानों के ठेके अपेक्षाकृत कम कीमत पर मिल जाते हैं। इन दुकानों पर वास्तविक बिक्री कम होने के बावजूद बड़ी मात्रा में शराब का स्टॉक मंगाया जाता है, जिसे बाद में गुजरात भेजने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तस्करी में शामिल वाहन चालकों को प्रत्येक खेप पहुंचाने के लिए पांच से दस हजार रुपये तक दिए जाने की जानकारी सामने आई है। शराब की खेप आयशर, टैंकर, ट्रक और अन्य वाहनों के माध्यम से अलीराजपुर तक पहुंचाई जाती है। इसके बाद पायलटिंग के लिए आगे चलने वाले दूसरे वाहन रास्ते में पुलिस या अन्य बाधाओं की जानकारी देते हैं। तस्करी का अधिकांश परिवहन रात एक बजे से सुबह पांच बजे के बीच किया जाता है। स्थानीय चालकों को जंगलों और सीमावर्ती इलाकों के रास्तों की जानकारी होती है। दाहोद, राणापुर और चांदपुर के मार्गों का इस्तेमाल कर शराब छोटे वाहनों के जरिए गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाई जाती है।

इस अवैध कारोबार में आबकारी विभाग के कुछ अधिकारियों की मिलीभगत के आरोप भी लगते रहे हैं। अलीराजपुर में पदस्थापना को लेकर अधिकारियों की कथित जोड़-तोड़ और कार्रवाई के नाम पर केवल वाहन चालकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने जैसी शिकायतें भी सामने आती रही हैं। कई मामलों में शराब की खेप भेजने वाले मुख्य लोगों और उसके अंतिम खरीदारों तक जांच नहीं पहुंच पाती। करीब चार महीने पहले लोकायुक्त ने अलीराजपुर में पदस्थ रह चुके एक पूर्व अधिकारी के ठिकानों पर छापेमारी की थी, जिसमें करोड़ों रुपये की कथित अवैध संपत्ति का खुलासा हुआ था। जांच में अधिकारी के शराब सिंडिकेट से जुड़े होने की बात भी सामने आई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि अवैध शराब तस्करी केवल कुछ वाहनों तक सीमित अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक नेटवर्क का रूप ले चुकी है। देवास की घटना ने इस पूरे तंत्र पर प्रभावी कार्रवाई, सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की जरूरत को और गंभीर बना दिया है।

कैलाश विजयवर्गीय की गैरमौजूदगी और बैनरों से तस्वीर गायब, विधानसभा-1 में भाजपा की गुटबाजी की चर्चाएं तेज

इंदौर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-1 में आयोजित दीपावली पुरस्कार एवं उपहार वितरण कार्यक्रम अब राजनीतिक चर्चाओं का केंद्र बन गया है। कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक कैलाश विजयवर्गीय की गैरमौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए। इतना ही नहीं, आयोजन स्थल पर लगाए गए बैनरों से भी उनकी तस्वीर नदारद रही। इस घटनाक्रम के बाद भाजपा के भीतर एक बार फिर गुटबाजी और आपसी खींचतान को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

कार्यक्रम का आयोजन भाजपा नेता एवं पार्षद पति मनोज मिश्रा की ओर से किया गया था। इसमें भाजपा प्रदेश महामंत्री गौरव



रणदिवे, विधायक मनोज पटेल समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। राजनीतिक रूप से इस आयोजन को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें ऐसे नेताओं को भी आमंत्रित किया गया था, जिन्हें कैलाश विजयवर्गीय के विरोधी खेमे का माना जाता है। ऐसे में मंत्री की अनुपस्थिति और बैनरों पर उनकी तस्वीर नहीं होने को महज संयोग मानने के बजाय राजनीतिक समीकरणों से जोड़कर देखा जा रहा है।

कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे विधायक मनोज पटेल से जब भाजपा में गुटबाजी और इस आयोजन को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजकों ने उन्हें आमंत्रित किया था, जिसके चलते वह कार्यक्रम में शामिल हुए। दूसरी ओर, आयोजक मनोज मिश्रा ने पूरे मामले पर सफाई देते हुए कहा कि दीपावली के अवसर पर लोगों को पुरस्कार और उपहार वितरित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया गया था। बैनरों पर कैलाश विजयवर्गीय की तस्वीर नहीं होने के सवाल पर उन्होंने इसे कार्यकर्ताओं की चूक बताया।

दीपावली पर घर लौटने की राह मुश्किल, ट्रेनों में 100 से ज्यादा वेटिंग; बसों का किराया भी 20प्रति. तक बढ़ा

इंदौर। दीपावली के त्योहार पर अपने घर पहुंचने की तैयारी कर रहे यात्रियों को इस बार भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इंदौर से दिल्ली, मुंबई, पुणे सहित महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में सीटें फुल हो चुकी हैं। कई ट्रेनों में वेटिंग 100 के पार पहुंच गई है। बुधवार को इंदौर से रवाना हुई पटना ट्रेन में यात्रियों की भीड़ का आलम यह रहा कि जनरल कोच में प्रवेश पाने के लिए कई लोग आपातकालीन खिड़की से अंदर घुसने की कोशिश करते दिखाई दिए। ट्रेनों के साथ-साथ सड़क मार्ग पर भी यात्रियों का



दबाव बढ़ गया है। दिल्ली, मुंबई और पुणे रूट पर चलने वाली बसों के किराए में भी 15 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि हो गई है।

दीपावली के चलते इंदौर रेलवे स्टेशन पर सामान्य दिनों की तुलना में यात्रियों की आवाजाही काफी बढ़ गई है। त्योहार पर परिवार के साथ समय बिताने के लिए बड़ी संख्या में लोग अपने गृह नगरों की ओर रवाना हो रहे हैं, लेकिन टिकटों की उपलब्धता नहीं होने से उनकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। बुधवार से लेकर अगले सोमवार तक इंदौर से विभिन्न शहरों के लिए जाने वाली अधिकांश ट्रेनों में आरक्षित सीटें उपलब्ध नहीं हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और दिल्ली रूट की ट्रेनों में लंबी वेटिंग के कारण यात्रियों को वैकल्पिक व्यवस्था तलाशनी पड़ रही है। कई लोग इंदौर से टिकट नहीं मिलने पर भोपाल और आसपास के अन्य रेलवे स्टेशनों से कन्फर्म टिकट बुक कराने का प्रयास कर रहे हैं।

यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन के संचालन में भी विस्तार किया है। ट्रेन संख्या 09080/09079 के फेरों को सप्ताह में दो दिन से बढ़ाकर तीन दिन कर दिया गया है। इंदौर से मुंबई सेंट्रल जाने वाली ट्रेन संख्या 09080 अब 5 नवंबर से प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी,

इंदौर मेट्रो की अंडरग्राउंड टनल में एक दिन में बिछाई 11 रिंग, 20 मीटर गहराई में चल रहा निर्माण; दो साल में पूरा होगा काम

इंदौर। शहर में मेट्रो के भूमिगत विस्तार के लिए अंडरग्राउंड टनल निर्माण का काम तेजी से जारी है। बुधवार 4 नवंबर को नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने एयरपोर्ट रोड पर निर्माणाधीन टनल का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति और तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने बताया कि सामान्य परिस्थितियों में टनल के भीतर प्रतिदिन आठ से नौ रिंग स्थापित की जाती हैं, लेकिन निर्माण कार्य में लगी टीम ने एक दिन में 11 रिंग स्थापित कर नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि परियोजना को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। टनल निर्माण में विश्वस्तरीय आधुनिक मशीनों और



उच्च तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। अब तक करीब 90 मीटर लंबी सुरंग तैयार हो चुकी है और इसका निर्माण जमीन से लगभग 20 मीटर नीचे किया जा रहा है। हालांकि, काम की गति तेज होने के बावजूद पूरी परियोजना को संपन्न होने में करीब दो वर्ष का समय लगने की संभावना है।

निरीक्षण के दौरान मंत्री विजयवर्गीय ने मेट्रो टनल के जनरल मैनेजर राजपूत और इंजीनियरों के साथ बैठक कर निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने तकनीकी कर्मचारियों, इंजीनियरों और श्रमिकों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं और मिठाई भी वितरित की। वहीं, मेट्रो रेल कंपनी के अध्यक्ष एस. कृष्ण चैतन्य ने बताया कि भूमिगत खुदाई के दौरान आसपास की जमीन और भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष इंस्ट्रूमेंटेशन सिस्टम तैयार किया गया है। इसके तहत लगाए गए सेंसर जमीन और इमारतों में होने वाले मामूली बदलावों पर भी नजर रखेंगे। विशेषज्ञों को इनकी लगातार जानकारी मिलती रहेगी, ताकि किसी भी संभावित खतरे की स्थिति में समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें। इससे सुरंग निर्माण के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा, भवनों की संरचनात्मक मजबूती और जमीन की स्थिरता की निगरानी की जा सकेगी।

टनल निर्माण के लिए टीबीएम नर्मदा मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो अर्थ प्रेशर बैलेंस (ईपीबी) तकनीक पर आधारित है।

आईटी सेक्टर में बदला नौकरी का फॉर्मूला, फ्रेशर्स की भर्ती में 9प्रति. गिरावट

इंदौर। आईटी सेक्टर में नौकरी हासिल करने के लिए अब केवल इंजीनियरिंग की डिग्री और पाइथन-जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का ज्ञान पर्याप्त नहीं रह गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल ने कंपनियों की भर्ती प्रक्रिया और कर्मचारियों से जुड़ी अपेक्षाओं को पूरी तरह बदलना शुरू कर दिया है। अब कंपनियां ऐसे युवाओं को प्राथमिकता दे रही हैं, जो तकनीकी ज्ञान को व्यावहारिक रूप से इस्तेमाल कर जटिल समस्याओं का समाधान कर सकें। नियमित कोडिंग, सॉफ्टवेयर टेस्टिंग, डेटा प्रोसेसिंग और आईटी सपोर्ट जैसे कामों में एआई टूल्स के इस्तेमाल से शुरुआती स्तर के कर्मचारियों की जरूरत कम हुई है।

फर्जी ट्रेडिंग एप पर 22.50 लाख लगाए, स्क्रीन पर दिखा 5 करोड़ का मुनाफा; रकम निकालने पहुंचे तो खुली ठगी की पोल

इंदौर। शेयर बाजार में निवेश कर कम समय में करोड़ों रुपये कमाने का लालच महू के एक व्यापारी को भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने यश सिक्युरिटी नाम से फर्जी निवेश एप तैयार कर व्यापारी से करीब ढाई महीने में अलग-अलग किश्तों के जरिए 22 लाख 50 हजार रुपये जमा करवा लिए। इस दौरान एप पर उनके निवेश की रकम लगातार बढ़ती दिखाई गई और कुछ समय बाद खाते में 5 करोड़ 1 लाख 88 हजार रुपये का मुनाफा प्रदर्शित होने लगा। इतनी बड़ी रकम देखकर व्यापारी को



अपने निवेश पर भरोसा हो गया, लेकिन जब उन्होंने पूरी राशि निकालने के लिए विड्रॉल किया तो पैसा नहीं मिला। इसके बाद ठगों से संपर्क करने की कोशिश भी नाकाम रही। धारनाका निवासी व्यापारी ड्रीमलैंड क्षेत्र में स्पोर्ट्स शॉप संचालित करते हैं। पुलिस के मुताबिक, 10 अगस्त से 14 अक्टूबर 2026 के बीच उनके साथ धोखाधड़ी हुई। आरोपी ने खुद को इन्वेस्टमेंट ब्रोकर बताकर संपर्क किया और भरोसे में लेकर फर्जी एप पर रजिस्ट्रेशन करवाया। इसके बाद आरटीजीएस, यूपीआई और एनईएफटी के माध्यम से अलग-अलग किश्तों में रकम ट्रांसफर करवाई जाती रही।

करोड़ों रुपये का मुनाफा दिखाई देने के बाद जब व्यापारी ने अपनी रकम निकालने का प्रयास किया तो न तो पैसा खाते में आया और न ही आरोपी की ओर से कोई संतोषजनक जवाब मिला।

राम मंदिर निर्माण का संकल्प पूरा, काशी-मथुरा और भोजशाला के लिए अब समाज आगे आए- होसबाले

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का संकल्प संघ ने लिया था और उसे पूरा करके दिखाया है। अब काशी, मथुरा और भोजशाला जैसे अन्य धार्मिक स्थलों के मामलों में समाज को आगे आना चाहिए। इनसे संबंधित मामले न्यायालयों में विचाराधीन हैं, इसलिए उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के अनुसार ही आगे बढ़ने देना चाहिए। बुधवार को इंदौर के डेली कॉलेज में आयोजित संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के समापन पर मीडिया से चर्चा करते हुए होसबाले ने जेन-जी आंदोलनों, सत्ता परिवर्तन, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, वोट चोरी के आरोपों और आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों पर संघ का पक्ष रखा। युवाओं के आंदोलनों और रिजीम चेंज के नाम पर हो रहे प्रदर्शनों को लेकर उन्होंने कहा कि इनके पीछे कुछ आंतरिक और बाहरी शक्तियों



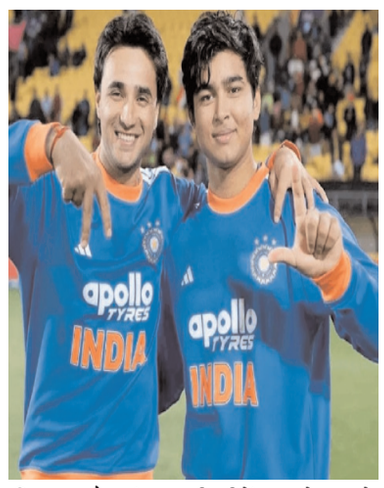
की भूमिका हो सकती है। समाज में अशांति फैलाकर अथवा हिंसा के माध्यम से बदलाव लाने की कोशिश देशहित में नहीं है।

होसबाले ने कहा कि किसी भी सरकार को बदलने का रास्ता लोकतांत्रिक होना चाहिए और इसके लिए चुनाव ही उचित माध्यम हैं। युवाओं की वास्तविक समस्याओं और मांगों को समझकर प्रशासनिक स्तर पर उनका समाधान किया जाना चाहिए। उनके साथ संवाद स्थापित करना जरूरी है। उन्होंने अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि जेपी आंदोलन के समय वे भी जेन-जी थे। मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और वोट चोरी के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यदि किसी गैर नागरिक का नाम भारत की मतदाता सूची में दर्ज है तो यह गंभीर विषय है। इसका असर केवल चुनावी व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा से भी जुड़ा है। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को आवश्यक बताते हुए कहा कि मतदाता सूची का समय-समय पर सत्यापन और पुनरीक्षण होना चाहिए। वहीं, आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों को जब तक समान अवसर उपलब्ध नहीं हो जाते, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। इसे राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाने के बजाय जरूरतमंद वर्गों के उत्थान के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक 2 से 4 नवंबर तक इंदौर के डेली कॉलेज में आयोजित की गई थी। इसमें देशभर से करीब 400 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, छह सह सरकार्यवाह और संघ के अन्य अखिल भारतीय पदाधिकारी शामिल हुए। संगठनात्मक गतिविधियों और विभिन्न राष्ट्रीय एवं सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। समापन के अवसर पर होसबाले की मीडिया से हुई चर्चा में धार्मिक स्थलों, युवाओं के आंदोलनों, लोकतांत्रिक व्यवस्था और सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर संघ का दृष्टिकोण सामने आया।

होलकर स्टेडियम में फिर लगेगा चौके-छक्कों का मेला, अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी दिखाएंगे दम

इंदौर, मध्यप्रदेश के क्रिकेट प्रेमियों को एक बार फिर इंदौर के होलकर स्टेडियम में चौकों और छक्कों की बरसात देखने का मौका मिलने जा रहा है। 14 नवंबर से शुरू होने वाली सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी के मुकाबले शहर के क्रिकेट माहौल को रोमांचक बनाएंगे। इस प्रतियोगिता में देश की कई प्रमुख टीमें हिस्सा लेंगी और इंदौर में कुल 21 मुकाबले खेले जाएंगे। दर्शकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी होंगे। अभिषेक शर्मा दिल्ली की टीम से मैदान में उतरेंगे, जबकि वैभव सूर्यवंशी बिहार का प्रतिनिधित्व करेंगे। अधिकांश मुकाबले होलकर स्टेडियम में खेले जाएंगे, जहां सभी मैच दिन-रात के होंगे। वहीं, डेली कॉलेज मैदान पर दिन के मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। खास बात यह है कि क्रिकेट प्रेमियों को स्टेडियम में मैच देखने के लिए कोई टिकट नहीं खरीदना होगा। सभी मुकाबलों में दर्शकों का प्रवेश निःशुल्क रहेगा। मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सुधीर असनानी के अनुसार, होलकर स्टेडियम में मैचों के आयोजन से जुड़ी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

इंदौर में होने वाले 21 मुकाबलों में सौराष्ट्र, बिहार, रेलवे, तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली,



हरियाणा और पंजाब की टीमें आमने-सामने होंगी। प्रतियोगिता के दौरान सौराष्ट्र-बिहार, रेलवे-तमिलनाडु, जम्मू-कश्मीर-दिल्ली, दिल्ली-पंजाब, दिल्ली-बिहार, तमिलनाडु-हरियाणा और पंजाब-सौराष्ट्र जैसे मुकाबले दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगे। होलकर स्टेडियम में आखिरी बार 11 अक्टूबर 2026 को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला गया था। उस मैच में अभिषेक शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 30 गेंदों पर 69 रन बनाए थे। उनकी पारी में पांच छक्के और छह चौके शामिल थे। भारतीय टीम ने यह मुकाबला 14 रन से अपने नाम किया था। अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अभिषेक की मौजूदगी से एक बार फिर दर्शकों को आक्रामक बल्लेबाजी देखने की उम्मीद है। युवा वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन पर भी क्रिकेट प्रेमियों की नजर रहेगी।

होलकर स्टेडियम को देश के उन मैदानों में गिना जाता है, जहां बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलती हैं। छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के कारण यहां अक्सर बड़े स्कोर देखने को मिलते हैं। इस मैदान पर अब तक पांच अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें पहली पारी का औसत स्कोर 204 और दूसरी पारी का औसत 174 रन रहा है। यहां भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट पर 260 रन का विशाल स्कोर बनाया था। उस मुकाबले में रोहित शर्मा ने महज 35 गेंदों पर शतक जड़ते हुए 118 रन की विस्फोटक पारी खेली थी, जिसमें 10 छक्के और 12 चौके शामिल थे। उनकी यह पारी उस समय अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट का सबसे तेज शतक थी। ऐसे में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान भी होलकर स्टेडियम में बड़े स्कोर और रोमांचक मुकाबलों की उम्मीद की जा रही है।

अब गांवों में ही तैयार होंगे प्रमाणित बीज

पंचायत स्तर पर स्थापित होंगे 500 टन क्षमता के बीज प्रसंस्करण संयंत्र और गोदाम

भोपाल, किसानों को उच्च गुणवत्ता के प्रमाणित बीज स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने नई योजना शुरू की है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के बीज घटक के तहत अब ग्राम पंचायत स्तर पर आधुनिक बीज प्रसंस्करण संयंत्र और भंडारण गोदाम स्थापित किए जाएंगे। योजना के लिए 5 नवंबर तक आवेदन मांगे गए हैं। योजना के तहत एक इकाई में 500 मीट्रिक टन वार्षिक क्षमता का बीज प्रसंस्करण संयंत्र और 500 मीट्रिक टन क्षमता का भंडारण गोदाम बनाया जाएगा। इसकी कुल स्थापना लागत का 50 प्रतिशत अनुदान सरकार देगी। अनुदान की अधिकतम सीमा 40 लाख रुपये प्रति इकाई तय की गई है। शेष राशि चयनित संस्था को स्वयं लगानी होगी। अनुदान का भुगतान काम की प्रगति के आधार पर तीन चरणों में किया जाएगा। पहली किस्त में 30 प्रतिशत यानी अधिकतम 12 लाख रुपये जिला कलेक्टर के अधिकतम 20 लाख रुपये गोदाम निर्माण पूरा होने, अंतिम मूल्यांकन रिपोर्ट और मशीनरी ऑर्डर की प्रति देने पर जारी होंगे।

12 महीने में पूरा करना होगा निर्माण

योजना में इकाई की स्थापना के लिए समयसीमा भी तय की गई है। तीन महीने में 30 प्रतिशत, पांच महीने में 60 प्रतिशत और 12 महीने के भीतर पूरा काम करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय में काम पूरा नहीं करने पर अनुदान प्रभावित हो सकता है।

दो साल का अनुभव जरूरी मेरिट से होगा चयन

योजना का लाभ लेने के लिए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और बहु-राज्य सहकारी समितियां पात्र होंगी। संबंधित संस्था के पास बीज उत्पादन का कम से कम दो साल का अनुभव होना जरूरी है। चयन के लिए 100 अंकों की मेरिट प्रणाली बनाई गई है। इसमें संस्था की अपनी भूमि, संबंधित पंचायत में गोदाम स्थापित करने की स्थिति, पहुंच मार्ग, बिजली की उपलब्धता, बीज उत्पादन का अनुभव और खरीफ व रबी दोनों सीजन में उत्पादन जैसे बिंदुओं को महत्व दिया जाएगा। इसके अलावा पिछले तीन वर्षों की ऑडिट रिपोर्ट और पोर्टल पर पंजीयन भी चयन का आधार होंगे। योजना से गांवों में ही बीज प्रसंस्करण और भंडारण की सुविधा विकसित होने की उम्मीद है।

सेवा बस्तियों में शिक्षा की अलख जगा रहीं 70 शिक्षिका दीदियों का सम्मान



भोपाल। सेवा बस्तियों में बच्चों को शिक्षा और संस्कार देने के साथ उनके भविष्य को संवारने में जुटीं 70 शिक्षिका एवं निरीक्षिका दीदियों का दीपावली से पहले सम्मान किया गया। सेवा भारती नानक एवं शंकराचार्य मंडल की ओर से बाजपेई नगर स्थित योग केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में सभी शिक्षिका दीदियों को मिठाई, पटाखे, वस्त्र, फल और मानदेय भेंट किए गए। कार्यक्रम में सेवा भारती के प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि सेवा बस्तियों में शिक्षा का कार्य कर रहीं शिक्षिका दीदियां समाज निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे सीमित संसाधनों में बच्चों के भविष्य को संवारने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। प्रांतीय कोषाध्यक्ष राजनारायण अग्निहोत्री, महानगर अध्यक्ष शिवमंगल सिंह, पीपुल्स ग्रुप के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रोहित पंडित, सोनू दांगी और विभाग समन्वयक करण सिंह ने भी विचार रखे। महानगर मीडिया प्रभारी भगवान दास ढालिया ने बताया कि सेवा भारती का उद्देश्य शिक्षा के साथ सेवा बस्तियों के बच्चों में संस्कार, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करना है। कार्यक्रम में नानक मंडल अध्यक्ष चेतन पटेल, सचिव मनोज शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रेम नारायण शर्मा, सहसचिव तृप्ति अग्रवाल, महानगर उपाध्यक्ष नवनीत अग्रवाल, अमित जैन तड़ैया, विमल भंडारी, सत्येंद्र अग्रवाल, विजय गुप्ता, अशोक सांकले, सुनीता सूर्यवंशी सहित अन्य पदाधिकारी और शिक्षिका दीदियां उपस्थित रहीं।

जेन-जी को लुभाने वाला चेहरा तलाश रही पार्टी

भोपाल, कांग्रेस के छात्र और युवा अभियानों की बढ़ती सक्रियता ने प्रदेश भाजपा संगठन को भी नई रणनीति बनाने के लिए मजबूर कर दिया है। पार्टी अब जेन-जी और कॉलेजों के युवाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है, लेकिन इस मुहिम के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक ऐसे युवा चेहरे की तलाश है, जो छात्रों को केवल संगठन से जोड़ने के बजाय उन्हें पार्टी की विचारधारा से भी प्रभावित कर सके। दिलचस्प यह है कि युवाओं को जोड़ने की तैयारी कर रही भाजपा अपने संगठन में ही युवा नेतृत्व को लेकर अब तक किसी एक नाम पर सहमति नहीं बना पाई है।

पार्टी ने इसके लिए लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान को माध्यम बनाने की तैयारी की है। इसके जरिए युवाओं और विद्यार्थियों के बीच कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें पार्टी की विचारधारा से जोड़ने की योजना है। दिल्ली में जेन-जी आंदोलन और राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी को देखते हुए भाजपा इसे राजनीतिक चुनौती के रूप में देख रही है। संगठन चाहता है कि अभियान के लिए ऐसा चेहरा सामने आए, जिसकी अपनी पहचान हो और जिसके नाम पर युवा स्वतः कार्यक्रमों से जुड़ें।

नेताओं ने सुझाए नाम, लेकिन नहीं बनी सहमति

युवा चेहरे की तलाश को लेकर पिछले दिनों भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच चर्चा भी हुई। इसमें कुछ विधायक वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। बैठक में कुछ नामों के सुझाव आए, लेकिन वरिष्ठ नेताओं के बीच किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन सकी। नेताओं का मानना है कि केवल संगठनात्मक पद या राजनीतिक पहचान के आधार पर युवाओं को आकर्षित नहीं किया जा सकता। इसके लिए ऐसा चेहरा चाहिए, जिसकी बातों और व्यक्तित्व का जेन-जी पर प्रभाव हो।

रणनीति के बीच भाजपा की नियुक्तियां हैं। प्रदेश से लेकर जिला और मंडल स्तर तक कई पद लंबे समय से खाली हैं। पार्टी के नए प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देव ने अपने पहले भोपाल दौरे में 30 अक्टूबर तक नियुक्तियां पूरी करने का लक्ष्य दिया था,

निजी निवेश से जंगल बसाएगी मप्र सरकार

पीपीपी मॉडल पर 30 से 50 साल की लीज पर मिलेगी जमीन, पौधे लगाने और जंगल विकसित करने की जिम्मेदारी निवेशकों की होगी

भोपाल, मध्यप्रदेश में वन क्षेत्र बढ़ाने और उजड़ चुके जंगलों को फिर से हरा-भरा करने के लिए सरकार अब निजी निवेशकों का सहारा लेने जा रही है। इसके तहत राज्य वन विकास निगम के अधीन ऐसी वन भूमि, जहां जंगल नहीं है या केवल झाड़ियां बची हैं, निजी निवेशकों को लीज पर दी जाएगी। निवेशक इन जमीनों पर पौधे लगाकर जंगल विकसित करेंगे। खास बात यह है कि पेड़ों के वयस्क होने के बाद उन्हें काटने या बेचने का अधिकार निजी निवेशकों को नहीं होगा। इस पर सरकार का ही नियंत्रण रहेगा।केंद्र की सहमति मिलने के बाद राज्य सरकार इस संबंध में नई नीति तैयार कर रही है। प्रस्तावित व्यवस्था पीपीपी मॉडल पर आधारित होगी। इसके तहत जंगल विकसित करने की जिम्मेदारी निजी निवेशकों की होगी और इसके बदले उन्हें हिस्सा निर्धारित अवधि के लिए लीज पर दिया जाएगा। जमीन का आवंटन टेंडर प्रक्रिया के जरिए होगा। फिलहाल प्रस्तावित नीति को राज्य सरकार की अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है।

11 हजार हेक्टेयर बिगड़े वन क्षेत्र पर खड़े होंगे नए जंगल



तीसरी बार शुरू हुई प्रक्रिया, नीति पर अंतिम मुहर बाकी

बिगड़े वन क्षेत्रों में निजी भागीदारी से हरियाली बढ़ाने की कवायद पहले भी शुरू हुई थी, लेकिन दो बार अयोषित रोक के चलते आगे नहीं बढ़ सकी। अब तीसरी बार सरकार ने इस दिशा में प्रक्रिया शुरू की है। प्रस्तावित नीति में निवेशकों को प्रोत्साहन देने और जमीन आवंटन की शर्तों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सरकार की मंशा है कि निजी पूंजी और कॉर्पोरेट फंड के जरिए ऐसे वन क्षेत्रों को विकसित किया जाए, जहां सरकारी संसाधनों से अपेक्षित हरियाली नहीं बढ़ पा रही है। हालांकि, इस मॉडल की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि पौधों की निगरानी, वन संरक्षण और निवेशकों की जवाबदेही के लिए नीति में कितने प्रभावी प्रावधान किए जाते हैं।

वन भूमि पर कब्जे रोकने का भी तर्क

सरकार इस योजना को केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने तक सीमित नहीं मान रही है। वन विकास निगम के पास मौजूद खाली और गैर वन भूमि पर अतिक्रमण की आशंका भी बनी रहती है। सरकार का मानना है कि निजी निवेशकों को निर्धारित शर्तों पर जमीन देने से इन क्षेत्रों का नियमित उपयोग और रखरखाव सुनिश्चित हो सकेगा। इससे खाली पड़ी वन भूमि पर अवैध कब्जों की आशंका भी कम होगी।

राज्य वन विकास निगम की 11 हजार हेक्टेयर जमीन पर नजर

इस योजना के लिए राज्य वन विकास निगम के पास उपलब्ध करीब 11 हजार हेक्टेयर वन भूमि चिह्नित की गई है। इनमें ऐसे क्षेत्र शामिल हैं, जहां घना जंगल नहीं है। कुछ जमीनों पर केवल झाड़ियां हैं, जबकि कई हिस्से पूरी तरह खाली पड़े हैं। इन्हीं क्षेत्रों को निवेश के लिए उपलब्ध कराने की तैयारी है। प्रस्ताव के अनुसार, जमीन 30 से 50 साल की अवधि के लिए लीज पर दी जा सकती है। निवेशक केंद्र और राज्य सरकार की निर्धारित शर्तों के अनुसार ही इसका उपयोग कर सकेंगे। जिस हिस्से में पौधारोपण कर जंगल विकसित किया जाएगा, वहां किसी भी तरह की व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं होगी। हालांकि, लगाए गए पौधों की निगरानी, उनके संरक्षण और जंगल विकसित होने के बाद प्रबंधन की जिम्मेदारी किस एजेंसी की होगी।

कॉर्पोरेट फंड को मिलेगा इस्तेमाल का मौका

इस नीति के पीछे कॉर्पोरेट क्षेत्र के पर्यावरण संरक्षण फंड का उपयोग भी एक बड़ा उद्देश्य है। कंपनियों के पास पर्यावरण संतुलन और संरक्षण से जुड़े कार्यों के लिए फंड उपलब्ध रहता है, लेकिन कई बार जमीन उपलब्ध नहीं होने के कारण वे इसका उपयोग नहीं कर पातीं। मुख्यमंत्री कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, कॉर्पोरेट सेक्टर की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने में जमीन की उपलब्धता को लेकर दिक्कतें बताई जाती रही हैं। ऐसे में सरकार चाहती है कि जिन कंपनियों के पास पर्यावरण संरक्षण पर खर्च करने के लिए फंड है।

कानूनी लड़ाई से दूरी बनाकर विधानसभा में भाजपा को घेरने की तैयारी

27 प्रतिशत आरक्षण पर कांग्रेस का सियासी दांव

भोपाल, मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर सियासत के केंद्र में है। कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में आरक्षण बढ़ाने का फैसला लेने वाली कांग्रेस अब इस मुद्दे पर कानूनी लड़ाई के बजाय विधानसभा के रास्ते भाजपा को घेरने की तैयारी कर रही है। पार्टी शीतकालीन सत्र में 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए संकल्प लाने की रणनीति बना रही है। इसके जरिए कांग्रेस भाजपा को ऐसे राजनीतिक मोड़ पर खड़ा करना चाहती है, जहां समर्थन और विरोध दोनों की अपनी-अपनी चुनौतियां हों।

दरअसल, कांग्रेस सरकार ने वर्ष 2019 में ओबीसी आरक्षण 14 से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने का अध्यादेश जारी किया था। इसे अदालत में चुनौती मिली और हाईकोर्ट की रोक के बाद मामला कानूनी विवाद में उलझ गया। इसके बाद प्रदेश में आरक्षण का लाभ 14 प्रतिशत पर ही अटका रहा। सरकारी भर्तियों में 87-13 का फार्मूला लागू हुआ। कांग्रेस पर आरोप लगते रहे कि उसने सत्ता में रहते हुए आरक्षण बढ़ाने का फैसला तो किया, लेकिन इसे कानूनी अंजाम तक पहुंचाने के लिए खुद निर्णायक लड़ाई नहीं लड़ी। सुप्रीम कोर्ट में मामले को आगे बढ़ाने के बजाय ओबीसी महासभा और पिछड़ा वर्ग संगठनों के जरिए लड़ाई जारी रखने की रणनीति अपनाई गई।

भाजपा के सामने समर्थन और विरोध का संकट

कांग्रेस की मौजूदा रणनीति का केंद्र ओबीसी मतदाता हैं। प्रदेश की राजनीति में इस वर्ग की बड़ी हिस्सेदारी मानी जाती है। ऐसे में भाजपा के सामने विधानसभा में कांग्रेस के संकल्प को लेकर राजनीतिक चुनौती होगी। यदि भाजपा इसका विरोध करती है तो कांग्रेस उसे ओबीसी आरक्षण विरोधी बताने का प्रयास करेगी। वहीं, समर्थन करने की स्थिति में कांग्रेस केंद्र सरकार से 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा हटाने के लिए संविधान संशोधन की मांग उठा सकती है।

51 हजार संगीतमय हनुमान चालीसा पाठों के साथ धार्मिक आयोजन हुआ



संत नगर। सैनिक कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध नुक्कड़ वाली माता मंदिर परिसर में श्री हनुमान महाराज के अखंड धार्मिक अनुष्ठान के सफल 1 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम हुजूर विधानसभा क्षेत्र में 51,000 संगीतमय हनुमान चालीसा पाठों के महासंकल्प के अंतर्गत आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में विशेष रूप से पधारे गुफा मंदिर के महंत रामप्रवेश दास महाराज ने श्रद्धालुओं को अपने उद्बोधन एवं आशीर्वाद प्रदान किया। अपने संबोधन में महाराज ने कहा कि भगवान की असीम कृपा से ही आज हम सभी यहां एक मंच पर इकट्ठे हुए हैं। सनातन धर्म की रक्षा, संवर्धन और समाज की एकजुटता के लिए चाहे ब्राह्मण समाज हो या अन्य सभी धर्मप्रेमी बंधु, आज सभी को एक साथ मिलकर आगे आने की महती आवश्यकता है। इस अवसर पर संत-महात्माओं, कथा व्यासों, के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल पार्षद कुसुम चतुर्वेदी राजपूत कैलाश मिश्रा रामू केवट हीरो इसरानी पंचायत के माधु चंदवानी किशोर साधवानी सहित बड़ी संख्या मिश्र धातु उपस्थित रहे। आयोजक पंडित रवि पटेरिया, पूर्व जिला पंचायत सदस्य विष्णु विश्वकर्मा एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने बड़ी संख्या में पहुंचे सभी धर्मप्रेमी बंधुओं, माताओं और बहनों का आभार व्यक्त किया। महाआरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया।

बजरंग सेना समिति ने बच्चों को किया मिष्ठान वितरण

संत नगर। बजरंग सेना समिति द्वारा दीपावली पर्व पर स्वामी शांतिप्रकाश स्कूल में नन्हे.मुन्ने बच्चों को मिष्ठान वितरण किया गया। इस अवसर पर बच्चों एवं शिक्षिकाओं को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं।

1500 करोड़ के ग्लोबल स्किल पार्क की 60% सीटें खाली

भोपाल, मध्यप्रदेश सरकार के करीब 1500 करोड़ रुपये की लागत से बने संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए आकर्षित करना प्रबंधन के लिए चुनौती बन गया है। यहां संचालित नौ एडवांस्ड कोर्स की कुल 1800 सीटों में से 1070 अब भी खाली हैं। यानी करीब 60 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश नहीं हो पाया है। स्थिति यह है कि अब खाली सीटें भरने के लिए संस्थान के अधिकारियों से लेकर ऑफिस बॉय, ऑफिस असिस्टेंट और मैनेजर तक को विद्यार्थियों के प्रवेश कराने का टारगेट दिया गया है। इसका खुलासा 30 अक्तूबर 2026 को जारी कार्यालय आदेश से हुआ है। यह आदेश संस्थान की निदेशक (एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंस) रोमा बाजपेयी के हस्ताक्षर से जारी किया गया है। 30 एकड़ क्षेत्र में करीब 1500 करोड़ रुपए की लागत से तैयार संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क (एसएसआरजीएसपी) की स्थापना का उद्देश्य युवाओं को विश्वस्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण देकर रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना था। दावा किया गया था कि यहां आधुनिक तकनीक और उद्योगों की जरूरत के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अब ऑफिस बॉय से मैनेजर तक को एडमिशन का टारगेट



सबसे ज्यादा खाली सीटें एचवीएसी और मैकेनिकल टेक्नोलॉजी में

कोर्सवार आंकड़ों पर नजर डालें तो एडवांस्ड एयर कंडीशनिंग एंड रेफ्रिजरेशन (एचवीएसी) में सबसे ज्यादा 139 सीटें खाली हैं। इसके बाद एडवांस्ड मैकेनिकल टेक्नोलॉजी में 138, एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस्ड मेकाट्रॉनिक्स एंड इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स में 134-134 सीटें खाली हैं। वहीं, एडवांस्ड सीएनसी एंड प्रिसिजन इंजीनियरिंग और एडवांस्ड इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी में सबसे कम 99-99 सीटें खाली हैं। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क की सीईओ अदिति गर्ग का कहना है कि इस वर्ष हमकों एडमिशन के लिए दो हजार से ज्यादा आवेदन मिले है, जिसमें से हमें 1100 के करीब ही प्रवेश देना हैं। जिस आदेश की आप बात कर रहे है, वह इंटर्नल ऑफिस आदेश हैं। उसमें एडमिशन के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को मदद करने के लिए जिम्मेदारी दी गई हैं।

बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को ज्यादा जोखिम; स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेशभर के अस्पतालों को किया अलर्ट

दीपावली पर 5 दिनों तक 24 घंटे नेत्र चिकित्सा सेवाएं देगा सेवा सदन अस्पताल



संत नगर। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर में दीपावली के उपलक्ष्य में 6 से 10 नवंबर तक पांचों दिन 24 घंटे आकस्मिक नेत्र चिकित्सा सेवाएं सुलभ रहेंगी। दीपोत्सव के दौरान आतिशबाजी से आंखों में चोट लगने की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा रात्रि में भी डॉक्टरों एवं चिकित्सा कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी, ताकि जरूरतमंद मरीजों को तत्काल नेत्र चिकित्सा सुविधा मिल सके।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2015 से 2025 तक दीपावली के अवसर पर भोपाल एवं आसपास के क्षेत्रों से आतिशबाजी के कारण आंखों में चोट लगने वाले अनेक मरीज रात के समय उपचार के लिए सेवा सदन पहुंचे थे। ऐसे मामलों में समय पर नेत्र चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और मरीजों की दृष्टि को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से अस्पताल प्रबंधन द्वारा प्रतिवर्ष विशेष व्यवस्थाएं की जाती हैं। यह सुविधा संत हिरदाराम नगर स्थित सेवा सदन के सिटी सेंटर पुराना अस्पताल में भी सुलभ रहेगी। आंखों में चोट लगने की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करने के लिए अस्पताल ने हेल्पलाइन मोबाइल नंबर 9516546821 जारी किया है। घायल व्यक्ति अथवा उनके परिवार-जन इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। सेवा सदन की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. प्रेरणा उपाध्याय ने नागरिकों से अपील की है कि पटाखे जलाते समय सुरक्षा संबंधी सावधानियों का पालन करें।

सर्दियों में प्रदूषण और पटाखों का धुआं

बढ़ाएगा सांस और दिल की बीमारी का खतरा

भोपाल, सर्दियों की शुरुआत और त्योहारी आतिशबाजी के बीच मध्य प्रदेश में वायु प्रदूषण का खतरा बढ़ने लगा है। तापमान गिरने के साथ हवा में धूल के महीन कण और पटाखों से निकलने वाला जहरीला धुआं सांस और दिल के मरीजों के लिए गंभीर परेशानी खड़ी कर सकता है। हालात को देखते हुए स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने प्रदेशभर के अस्पतालों को अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। विभाग ने अस्पतालों को ऑक्सीजन, नेबुलाइजर, वेंटिलेटर और जीवनरक्षक दवाओं की निर्देश दिए हैं। साथ ही जनरल मेडिसिन, शिशु रोग, श्वसन रोग, हृदय रोग और न्यूरोलॉजी विभागों में जरूरी संसाधन तैयार रखने को कहा है, ताकि प्रदूषण के कारण मरीजों की संख्या बढ़ने पर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी के मुताबिक वायु प्रदूषण का खतरा केवल आंखों से दिखाई देने वाले धुएं तक सीमित नहीं है। हवा में मौजूद पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कण ज्यादा नुकसानदायक हैं। ये सांस के जरिए फेफड़ों में पहुंचकर सूजन और संक्रमण की आशंका बढ़ाते हैं। पीएम 2.5 के बेहद छोटे कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और रक्त प्रवाह को भी प्रभावित कर सकते हैं। लंबे समय तक प्रदूषित हवा के संपर्क में रहने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), इस्केमिक हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। वहीं, कम समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से भी आंखों में जलन, गले में खराश, खांसी, सांस लेने में परेशानी और सीने में दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। त्योहारी आतिशबाजी से निकलने वाला धुआं पहले से प्रदूषित हवा को और जहरीला बना सकता है। पटाखों से निकलने वाले सूक्ष्म कण और रासायनिक तत्व सांस संबंधी बीमारियों को बढ़ा सकते हैं। वहीं, तेज आवाज वाले पटाखों से सुनने की क्षमता प्रभावित होने के साथ मानसिक तनाव और बेचैनी भी बढ़ सकती है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को तेज आवाज वाले पटाखों से दूरी बनाने और बच्चों, बुजुर्गों तथा सांस के मरीजों को आतिशबाजी वाले स्थानों पर ले जाने से बचने की सलाह दी है।

अस्पतालों को पहले से तैयारी रखने के निर्देशः सर्दियों और त्योहारों के दौरान सांस संबंधी मरीजों की संख्या बढ़ने की आशंका को देखते हुए मेडिकल कॉलेजों, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और सिविल सर्जनों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। अस्पतालों में ऑक्सीजन सप्लाई, नेबुलाइजर, वेंटिलेटर और जरूरी दवाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश हैं। विभाग की तैयारी का मकसद प्रदूषण के कारण अचानक बढ़ने वाले मरीजों को समय पर इलाज उपलब्ध कराना है।

खासतौर पर सांस और हृदय संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर दिया गया है।



बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा खतरा

प्रदूषण का असर सभी लोगों पर एक जैसा नहीं होता। पांच साल से कम उम्र के बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और अस्थमा, ब्रोंकाइटिस या हृदय रोग से पीड़ित लोगों को अधिक जोखिम रहता है। बच्चों के फेफड़े अभी विकसित हो रहे होते हैं, जबकि बुजुर्गों में बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम हो सकती है। निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिक, यातायात पुलिसकर्मी और खुले में दुकान लगाने वाले छोटे व्यापारी भी प्रदूषित हवा की चपेट में आते हैं। ऐसे लोगों में सांस संबंधी संक्रमण, अस्थमा का दौरा और हृदय संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। विभाग ने संवेदनशील लोगों को प्रदूषण का स्तर अधिक रहने के दौरान बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है।

संपादकीय

मुनाफाखोरी की गिरफ्त में मरीज

भारत ने पिछले तीन दशकों में चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। दुनिया की हर पांच में से एक जेनेरिक दवा भारत में बनती है। इसलिए भारत को 'विश्व फार्मेसी' कहा जाता है। भारत ग्लोबल साउथ सहित कई देशों के लिए चिकित्सा पर्यटन का विश्वसनीय केंद्र भी है, लेकिन इस उपलब्धि के पीछे एक चिंताजनक तस्वीर भी है, जो हमारे मेडिकल स्टोर पर रोज दिखाई देती है। यह तस्वीर दवाओं की ऊंची कीमतों और उससे भी गंभीर नकली तथा घटिया दवाओं के बढ़ते कारोबार की है। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि नैतिक संकट भी है, जहां मुनाफे की लालसा जीवन के मूल्य पर भारी पड़ रही है। ध्यान देने योग्य है कि दवाओं की कीमत और गुणवत्ता केवल उनके निर्माण की लागत और वैज्ञानिक प्रक्रिया से नहीं, बल्कि निर्माता से मरीज तक पहुंचने वाली आपूर्ति व्यवस्था से भी प्रभावित होती है।इसी क्रम में नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथारिटी (एनपीपीए) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उसने कैंसर की 137 गैर-अनुसूचित दवाओं पर ट्रेड मार्जिन रेशनलाइजेशन लागू किया है। ये दवाएं अब तक मूल्य नियंत्रण के दायरे में नहीं थीं। एनपीपीए की जांच में सामने आया कि इन दवाओं पर 700 प्रतिशत तक ट्रेड मार्जिन वसूला जा रहा था। उदाहरण के लिए, कंपनी जिस दवा को 10 हजार रुपये में स्टाकिस्ट को बेचती थी, उसका अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 50 हजार रुपये तय किया जाता था। यानी बिचौलियों, वितरकों, अस्पतालों की फार्मेसी और करों के नाम पर कीमत में 40 हजार रुपये का अंतर था।सरकार ने ट्रेड मार्जिन को एमआरपी के अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित कर दिया है। इससे एमआरपी में 70 प्रतिशत तक की कमी आने की उम्मीद है। इसी व्यवस्था के तहत एनपीपीए ने 2019 में 42 कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को नियंत्रित किया था। तब उनकी कीमतों में 90 प्रतिशत तक की कमी आई थी। मार्जिन सीमित करने का अर्थ कंपनियों की कमाई घटाना नहीं है। निर्माता को उसका निर्धारित मूल्य मिलता रहेगा, जबकि बिचौलियों का असामान्य मुनाफा घटेगा। यह इस धारणा को चुनौती देता है कि मूल्य नियंत्रण से नवाचार प्रभावित होगा।यहां एक सवाल यह है कि क्या केवल ट्रेड मार्जिन सीमित करने से कैंसर जैसी बीमारियों का इलाज सस्ता हो जाएगा? ट्रेड मार्जिन को नियंत्रित करना और निर्माता द्वारा तय की गई कीमत को नियंत्रित करना दो अलग-अलग पहलू हैं। यदि निर्माता शुरुआती कीमत ही बहुत अधिक तय करता है, तो 30 प्रतिशत मार्जिन की सीमा के बाद भी दवा महंगी रहेगी। इसके अलावा कंपनियां %आर्टिफिशियल डिस्काउंट% का तरीका भी अपनाती हैं। वे चुनिंदा बड़े कारपोरेट अस्पतालों को कुछ यूनिट पर भारी छूट देकर कम बाजार मूल्य का आभास देती हैं, जबकि बाकी दवाएं ऊंची कीमत पर ही बिकती हैं। इससे नियामक के लिए दवा का वास्तविक बाजार मूल्य तय करना कठिन हो जाता है। इसलिए ट्रेड मार्जिन नियंत्रण के साथ कीमतों की सख्त निगरानी और बिक्री तथा छूट की पारदर्शी रिपोर्टिंग भी जरूरी है। यह व्यवस्था सभी दवाओं पर लागू होनी चाहिए।नकली और घटिया दवाओं की समस्या महंगी दवाओं से भी जुड़ी है। जब दवाएं बहुत महंगी हो जाती हैं तो नकली दवाओं के लिए बाजार तैयार हो जाता है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के अनुसार, बाजार में तीन से पांच प्रतिशत दवाएं मानक गुणवत्ता से कम या नकली हैं। सरकार को कानून और तकनीक के जरिये नियमन एवं निगरानी सुनिश्चित करनी होगी। एनपीपीए को स्वास्थ्य संस्थानों और अन्य संबंधित पक्षों के सहयोग से ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जो चार पहलुओं पर नजर रखे- मरीज का कुल बिल, दवाओं की उपलब्धता, अस्पतालों की बिलिंग और इलाज तक पहुंच।यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कीमतें घटने के बाद संबंधित दवाएं दूरदराज के क्षेत्रों में उपलब्ध रहें, क्योंकि कंपनियां अक्सर कम मुनाफे वाली पुरानी दवाओं का उत्पादन बंद कर देती हैं। अब 300 से अधिक दवाओं पर क्यूआर कोड अनिवार्य है, जिसे स्कैन करके असली और नकली दवा की पहचान की जा सकती है। इसका दायरा धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए। औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम में संशोधन कर नकली दवा बनाने को गैर-जमानती अपराध घोषित किया गया है, जिसमें आजीवन कारावास तक का प्रविधान है। पिछले दो वर्षों में विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों का पालन नहीं करने वालीं 150 से अधिक कंपनियों के लाइसेंस रद किए गए हैं। ऐसी कंपनियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई भी होनी चाहिए। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का विस्तार हो। आज 14 हजार से अधिक केंद्रों पर दो हजार से अधिक दवाएं 50 से 90 प्रतिशत तक कम कीमत पर उपलब्ध हैं।

भारत के लिए अवसर और चुनौतियां

मातृत्व और पितृत्व की चाह दुनिया की सबसे स्वाभाविक मानवीय आकांक्षाओं में से एक है, लेकिन बदलती जीवनशैली, देर से विवाह, बढ़ती उम्र, तनाव और प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं ने लाखों दंपतियों के लिए संतान प्राप्ति की राह कठिन बना दी है। ऐसे में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान, विशेषकर इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आइवीएफ), उम्मीद की नई किरण बनकर उभरा है। दिलचस्प बात यह है कि अब भारत केवल अपने नागरिकों के लिए ही नहीं, बल्कि विदेशी दंपतियों के लिए भी प्रजनन उपचार का एक आकर्षक केंद्र बनता जा रहा है। अपेक्षाकृत कम खर्च, प्रशिक्षित चिकित्सक, आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और उपचार के विविध विकल्प भारत में फर्टिलिटी टूरिज्म को बढ़ावा दे रहे हैं। हालांकि, इस बढ़ते कारोबार के बीच उपचार की सफलता, चिकित्सा नैतिकता, कानूनी जटिलताओं और आम भारतीयों की पहुंच जैसे सवाल भी महत्वपूर्ण हो गए हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में लगभग हर छह में से एक वयस्क अपने जीवनकाल में बांझपन की समस्या का सामना करता है। यह स्थिति केवल विकसित देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि विकासशील देशों में भी प्रजनन संबंधी समस्याएं गंभीर चुनौती बन रही हैं। भारत वैश्विक फर्टिलिटी टूरिज्म के मानचित्र पर अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहा है। वर्तमान में, 30 से अधिक देशों के मरीज भारत में आइवीएफ सहित प्रजनन उपचार कराने पहुंच रहे हैं। इनमें अफ्रीकी देशों, ब्रिटेन, अमरीका, यूरोप और पड़ोसी देशों के मरीज शामिल हैं। भारत में उपलब्ध चिकित्सा विशेषज्ञता और अपेक्षाकृत सस्ती उपचार सुविधाएं विदेशी मरीजों के आकर्षण का प्रमुख कारण हैं। भारत में आइवीएफ उपचार की लागत कई विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। एक क्लीनिक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में एक आइवीएफ चक्र का खर्च लगभग 2.3 लाख रुपए है, जबकि अमरीका में यह लगभग 14 लाख रुपए और ब्रिटेन में करीब 10 लाख रुपए तक है। इन आंकड़ों के आधार पर अमरीका की तुलना में भारत में उपचार लगभग 84 प्रतिशत और ब्रिटेन की तुलना में लगभग 77 प्रतिशत सस्ता पड़ सकता है। भारत में आइवीएफ उपचार कराने आने वाले विदेशी मरीजों में लगभग 49 प्रतिशत अफ्रीकी देशों से संबंधित हैं। इनमें नाइजीरिया, केन्या और अन्य देशों के मरीज शामिल हैं। ब्रिटेन और यूरोप से लगभग 25 प्रतिशत तथा अन्य देशों से भी मरीज भारत पहुंच रहे हैं। भारत के लिए यह केवल चिकित्सा सेवाओं के निर्यात का अवसर नहीं है, बल्कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने का माध्यम भी बन सकता है। विदेशी मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ उनकी भाषा, परामर्श, कानूनी जानकारी और उपचार के बाद देखभाल की सुविधाएं विकसित करना जरूरी होगा।फर्टिलिटी टूरिज्म का आर्थिक प्रभाव आइवीएफ केंद्रों तक सीमित नहीं रहता। विदेशी मरीजों के आगमन से अस्पतालों, डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाओं, दवा कंपनियों, होटल व्यवसाय, परिवहन और अन्य सेवाओं की मांग बढ़ती है। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं। भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वसनीय फर्टिलिटी केंद्र बनाने के लिए उपचार के परिणामों की मानकीकृत रिपोर्टिंग, पारदर्शी शुल्क व्यवस्था और स्वतंत्र गुणवत्ता मूल्यांकन पर जोर से भी संवेदनशील है। सहायक प्रजनन प्रौद्योगिकी (विनियमन) अधिनियम, 2021 तथा सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 के अंतर्गत विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए अलग-अलग प्रावधान हैं। आइवीएफ उपचार और सरोगेसी को एक समान नहीं माना जा सकता। विदेशी नागरिकों के लिए उपचार की पात्रता, दाता संबंधी प्रावधान, दस्तावेजी आवश्यकताएं और अन्य कानूनी शर्तें महत्वपूर्ण हैं।

ट्रंप प्रशासन को प्रभावित करने वाले चुनाव

कांग्रेस के दोनों सदनों में विपक्ष का बहुमत होने पर राष्ट्रपति के लिए सरकार चलाना कठिन हो जाता है। प्रतिनिधि सभा की सभी संसदीय और स्थायी समितियां विपक्ष के हाथों में चली जाती हैं जो हर विभाग के बजट, खर्च और कर्ज की सीमा निर्धारित करती हैं और विदेशी मामलों की नीतियां बनाती हैं। ये समितियां ट्रंप और उनके मंत्रियों पर जांच बिठा सकती हैं, उन्हें तलब कर सकती हैं और महाभियोग भी चला सकती हैं। राष्ट्रपति को महाभियोग से हटाने के लिए तो सीनेट में दो तिहाई बहुमत चाहिए। इसीलिए एंड्रयू जांसन, बिल क्लिंटन और ट्रंप पर महाभियोग चलाने के बावजूद आज तक किसी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। इस बीच यह भी सुनने में आया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ पर महाभियोग की तैयारी कर रखी है।

अमेरिका के इतिहास में शायद ही कोई ऐसा मध्यावधि चुनाव हुआ हो, जिस पर दुनिया ने इतना ध्यान दिया हो। इसकी वजह कोई और नहीं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं। उनकी पलटू और अटपटी नीतियों ने उनके ही देश द्वारा स्थापित विश्व व्यवस्था में ऐसी उथल-पुथल मचाई है कि हर कोई उनसे निजात पाने की राह देख रहा है। हालांकि इस चुनाव में उनका भाग्य पूरी तरह दांव पर नहीं है। उनका आधा कार्यकाल अभी बाकी है, लेकिन अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस की समूची प्रतिनिधि सभा और सीनेट की एक तिहाई से अधिक सीटों का फैसला इन्हीं चुनावों में होना है। यह चुनाव प्रतिनिधि सभा के चुनाव क्षेत्रों के परिसीमन के बाद हो रहा है, जिससे ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को लगभग नौ सीटों पर लाभ होने की आशा है। फिर भी जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार उनकी पार्टी का प्रतिनिधि सभा में तो हारना तय है ही, सीनेट भी हाथ से जा सकती है।

राष्ट्रपतियों की पार्टी ने पिछले 20 मध्यावधि चुनावों में से 18 में प्रतिनिधि सभा की सीटें गंवाई हैं। इस समय ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के पास प्रतिनिधि सभा में मात्र दो सीटों का बहुमत है और सीनेट में तीन सीटों का। इसलिए उन्होंने पार्टी उम्मीदवारों के लिए ऐसे प्रचार किया है मानो वे स्वयं चुनाव लड़ रहे हों। मतदाताओं से अपील की है कि वे उन्हें ही उम्मीदवार मानकर वोट दें। यही नहीं, उन्होंने भारत के चुनावों की तरह वोटरों को लुभाने के लिए पांच हजार डालर की रेवड़ी बांटने का वादा भी किया है। फिर भी एक ताजा सर्वेक्षण के अनुसार उनके काम से संतुष्टों का दायरा घटकर 31 प्रतिशत पर आ गया है और इतिहास बताता है कि यह आंकड़ा 50 से नीचे गिर जाने पर राष्ट्रपति की पार्टी को प्रतिनिधि सभा में औसतन 37 सीटों का नुकसान होता है। 2018 के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप से संतुष्ट रहने वालों का प्रतिशत 41 पर आ जाने से रिपब्लिकन पार्टी को 40 सीटों का नुकसान हुआ था। विश्लेषकों का अनुमान है कि रिपब्लिकन पार्टी को प्रतिनिधि सभा की कम से कम 15 सीटों का नुकसान तो होना तय है और सीनेट की भी तीन-चार सीटें जा सकती हैं।

कांग्रेस के दोनों सदनों में विपक्ष का बहुमत होने पर राष्ट्रपति के लिए सरकार चलाना कठिन हो जाता है। प्रतिनिधि सभा की सभी संसदीय और स्थायी समितियां विपक्ष के हाथों में चली जाती हैं जो हर विभाग के बजट, खर्च और कर्ज की सीमा निर्धारित करती हैं और विदेशी मामलों की नीतियां बनाती हैं। ये समितियां ट्रंप और उनके मंत्रियों पर जांच बिठा सकती हैं, उन्हें तलब कर सकती हैं और महाभियोग भी चला सकती हैं। राष्ट्रपति को महाभियोग से हटाने के लिए तो सीनेट में दो तिहाई बहुमत चाहिए। इसीलिए एंड्रयू जांसन, बिल क्लिंटन और ट्रंप पर महाभियोग चलाने के बावजूद आज तक किसी राष्ट्रपति को हटाया नहीं जा सका है। इस बीच यह भी सुनने में आया है कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ पर महाभियोग की तैयारी कर रखी है। ट्रंप पर महाभियोग तो शायद ही चलाया जाए, लेकिन उनके तथा उनके परिवार के सदस्यों पर पद का अनुचित लाभ उठाने की और भ्रष्टाचार की जांच बिठाई जा सकती है। मिसाल के तौर पर ट्रंप परिवार की क्रिप्टो कंपनी ने पाकिस्तानी सरकार के साथ उस समय सौदा किया था, जब अमेरिका की क्रिप्टो नीति बन रही थी।

कांग्रेस में विपक्ष का बोलबाला होने पर अमेरिकी राष्ट्रपति अपना पूरा ध्यान विदेश नीति पर लगाते आए हैं। लगता है ट्रंप भी इसकी तैयारी कर चुके हैं। ईरान को समझौते पर मजबूर करने के लिए उन्होंने अपनी सेना पहले ही मैदान में उतार रखी है, ताकि डेमोक्रेट कांग्रेस में चलती लड़ाई को रुकवाने या उसके लिए पैसा रोकने का राजनीतिक जोखिम न उठा सके। इस महीने के उत्तरार्ध में वे एपैक की शिखर बैठक में भाग लेने चीनी शहर शेनजेन जा रहे हैं, जहां रूसी राष्ट्रपति पुतिन के आग्रह पर शी चिनफिंग और पुतिन के साथ बैठकर नई विश्व व्यवस्था पर विचार करेंगे। इसे नई दिल्ली में हुई मोदी-शी-पुतिन शिखर बैठक के जवाब के रूप में भी देखा जा सकता है, मगर लगता है असली उद्देश्य यूक्रेन को पुतिन की शर्तों पर युद्धविराम समझौते के लिए मजबूर करना है। यूरोप में इसे तानाशाही तिकड़ी के उदय के रूप में देखा जा रहा है, जो पूरी दुनिया को अपने-अपने प्रभाव क्षेत्रों में बांट कर मनमानी करना चाहती है।

चीन को जी-2 का सदस्य बताने और शी चिनफिंग के साथ मुलाकातों का सिलसिला बढ़ाने से लगता है कि ट्रंप की दिलचस्पी अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र को चीनी विस्तारवाद से मुक्त रखने से अधिक चीन के साथ लंबित व्यापार सौदा सिरे चढ़ाने में हो गई है। पाकिस्तान के साथ वे अपने और अपने परिवार के निजी आर्थिक हितों के कारण मधुर संबंध रखना चाहते हैं। भारत के लिए यह अच्छी बात नहीं है। उसे अपने सामरिक और आर्थिक रिश्तों के समीकरणों में निरंतर संतुलन बिठाते रहना होगा। भारत में अमेरिका पर भरोसे की कमी का पुराना इतिहास है। उसे दूर करने के लिए हुए गत 25 वर्षों के प्रयासों पर ट्रंप की विशुद्ध लेन-देन परक और पलटू नीतियों ने पानी फेर दिया है। यूरोप और एशिया में अमेरिका के पारंपरिक मित्र देश भारत से भी अधिक स्तब्ध हैं। प्यू शोध केंद्र के द्वारा 35 देशों में किए एक सर्वेक्षण के अनुसार यूरोप और हिंदचीन के अधिकांश देश और इंडोनेशिया अब अमेरिका से अधिक चीन पर भरोसा करने लगे हैं।

ट्रंप प्रशासन की कोशिश रहेगी कि जनवरी में नई कांग्रेस के शपथ लेने से पहले भारत के साथ व्यापार सौदा कर ले, लेकिन भारत को अपने ऊर्जा हितों और कमजोर आर्थिक क्षेत्रों के हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना होगा। नई कांग्रेस ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भी नहीं रोक पाएगी, क्योंकि वे अब अनुचित व्यापार नीतियों को आधार बनाकर धारा 232 और 301 का प्रयोग कर रहे हैं, जिन्हें केवल अदालतों में ही चुनौती दी जा सकती है। एच1बी वीजा की शर्तों में ढील या नौकरी आधारित ग्रीन कार्ड सुविधा बहाल होने के आसार भी कम हैं, क्योंकि ट्रंप ने वोटों के लिए भारतीय प्रतिभाओं को लेकर संदेह का ऐसा बीज बो दिया है, जिसके खिलाफ जाने का राजनीतिक जोखिम शायद ही कोई लेना चाहे।

जनमत में पिछड़े जर्मन चांसलर, फिर भी पद पर क्यों बने हुए हैं?

जर्मनी के महज 14 प्रतिशत नागरिक ही फ्रेडरिक मर्ज को चांसलर पद के लिए सही विकल्प मानते हैं। देशभर में उनकी पार्टी क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) को लगभग 20 प्रतिशत लोगों का समर्थन हासिल है, जबकि धुर दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) करीब 30 प्रतिशत समर्थन के साथ आगे है। सितंबर में पूर्वी जर्मनी के सैक्सनी-आनहाल्ट राज्य में एएफडी ने 43.8 प्रतिशत वोट हासिल किए और राज्य की विधानसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करने से वह महज तीन सीट पीछे रह गई। वहीं, सीडीयू को केवल 17.2 प्रतिशत वोट मिले। दुनिया के किसी भी उदार लोकतंत्र में इतने खराब आंकड़ों के साथ सरकार के मुखिया के लिए गंभीर राजनीतिक संकट पैदा हो जाता। लेकिन मर्ज अब भी अपने पद पर बने हुए हैं और बर्लिन में बहुत कम लोगों को उम्मीद है कि निकट भविष्य में स्थिति बदल सकेगी।

इसकी वजह जर्मनी का वह संविधान है, जिसे देश के पहले लोकतांत्रिक प्रयोग के कड़वे अनुभवों से मिले गहरे सबक के आधार पर तैयार किया गया था। 1919 से 1933 तक अस्तित्व में रहे वाइमर गणराज्य के पतन की एक बड़ी वजह यह थी कि संसद में वामपंथी और दक्षिणपंथी छोटे दल बिना कोई नई सरकार बनाए पुरानी सरकारों को गिरा सकते थे। अंततः इसी का फायदा उठाकर एडोल्फ हिटलर सत्ता में आया था। इसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए 1949 में जर्मनी ने नया संविधान अपनाया, जिसे वहां बेसिक लॉ यानी मूल कानून कहा जाता है। इस मूल कानून में सरकार को हटाना बहुत मुश्किल बना दिया गया। जर्मनी की संसद खुद को भंग भी नहीं कर सकती। समय से पहले चुनाव केवल चांसलर की ओर से शुरू की गई एक प्रक्रिया के जरिये ही हो सकते हैं। इसके लिए चांसलर को संसद में विश्वास मत हासिल करना होता है।

यदि एक सोची-समझी रणनीति के तहत उनके सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य जानबूझकर उनके खिलाफ वोट दे देते हैं और वह हार जाते हैं, तब जाकर संघीय राष्ट्रपति संसद को भंग कर सकते हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति की भूमिका काफी हद तक औपचारिक ही होती है। वर्ष 2024 में तत्कालीन चांसलर ओलाफ शोल्त्स ने यही रास्ता अख्तियार किया था और उसके बाद हुए चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इस पूरी प्रक्रिया में अंतिम फैसला उसी व्यक्ति के हाथ में होता है, जिसे सत्ता गंवाने का सबसे अधिक खतरा होता है। मर्ज की सरकार में शामिल सीडीयू और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी (एसपीडी) चाहें तो मौजूदा गठबंधन सरकार से अपना समर्थन वापस ले सकती हैं। लेकिन उसके सामने खुद की ही समस्याएं हैं। सामने आए जनमत सर्वेक्षणों के मुताबिक, यदि समय से पहले चुनाव कराए जाते हैं तो संसद के कई सदस्यों को अपनी सीट गंवानी पड़ सकती है और अनेक मंत्रियों को अपने पदों से हाथ धोना पड़ सकता है। इसलिए मर्ज से छुटकारा पाने की कोशिश करने वाले किसी भी नेता को इसकी भारी-भरकम राजनीतिक कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना होगा। दूसरी ओर, मतदाताओं के पास भी मर्ज को उनका कार्यकाल पूरा होने से पहले पद से हटाने का कोई रास्ता नहीं है। उन्होंने 2025 के संघीय चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। अब नियमित चुनाव का अगला अवसर 2029 में ही आएगा।

साप्ताहिक समाचार पत्र %डी साइट% की एक रिपोर्ट के मुताबिक, चांसलर के करीबी लोग अल्पमत सरकार बनाने के विकल्प पर विचार कर रहे हैं। इसके लिए एसपीडी को सत्तारूढ़ गठबंधन का साथ छोड़ना होगा और सीडीयू को संसदीय बहुमत न होते हुए भी अकेले सरकार चलानी होगी। सीडीयू को अलग-अलग विधेयकों और प्रस्तावों को पारित कराने के लिए अलग-अलग दलों का समर्थन जुटाना पड़ेगा। एएफडी का सहारा लिए बिना उसे उन्हीं प्रस्तावों तक सीमित रहना होगा, जिनका समर्थन सोशल डेमोक्रेट और ग्रीन पार्टी करने को तैयार हों। इससे सीडीयू के लिए उस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने की गुंजाइश बहुत कम रह जाएगी,

धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि एवं माता महालक्ष्मी का होगा विशेष पूजन-अर्चन, गोपाल सहस्त्रनाम एवं श्रीसूक्त पाठ से गूंजेगा दादाजी धाम

जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल श्री दादाजी धाम मंदिर, रायसेन रोड, पटेल नगर, भोपाल में दिनांक 6 नवंबर 2026, शुक्रवार को धनतेरस का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर भगवान धन्वंतरि एवं माता महालक्ष्मी का विशेष पूजन-अर्चन वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न होगा। इसी के साथ मंदिर में पांच दिवसीय दीपोत्सव का मंगलमय शुभारंभ किया जाएगा।इस धार्मिक आयोजन में मंदिर के विद्वान पंडित राजेन्द्र पलिया द्वारा विधि-विधानपूर्वक भगवान धन्वंतरि एवं माता महालक्ष्मी का पूजन कराया जाएगा। विशेष रूप से गोपाल सहस्त्रनाम पाठ एवं श्रीसूक्त पाठ का आयोजन भी किया जाएगा। इन पवित्र स्तोत्रों के पाठ से मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान होगा तथा श्रद्धालु भगवान की आराधना में सहभागी बनकर पुण्यलाभ प्राप्त करेंगे।

गोपाल सहस्त्रनाम पाठ का धार्मिक महत्व अत्यंत विशेष माना गया है। भगवान श्रीकृष्ण एवं भगवान विष्णु के दिव्य स्वरूप का स्मरण करते हुए सहस्त्र नामों के माध्यम से उनकी स्तुति एवं आराधना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पाठ से भगवान के प्रति श्रद्धा, भक्ति, समर्पण एवं सकारात्मक भावों की वृद्धि होती है। भक्तजन अपने परिवार की सुख-शांति, कल्याण, संकटों से मुक्ति तथा जीवन में धर्म और सदाचार की भावना बनाए रखने के लिए प्रभु से प्रार्थना करते हैं।वहीं श्रीसूक्त पाठ माता महालक्ष्मी की उपासना का अत्यंत पवित्र वैदिक स्तोत्र है। इसमें धन, धान्य, ऐश्वर्य, वैभव, सौभाग्य एवं समृद्धि प्रदान करने वाली आदिशक्ति माता लक्ष्मी की स्तुति की जाती है। सनातन धार्मिक परंपरा में श्रीसूक्त के मंत्रों का पाठ विशेष रूप से धनतेरस एवं दीपावली के अवसर पर शुभ माना जाता है। श्रद्धापूर्वक इसका पाठ करने से घर-परिवार में सुख-समृद्धि, शांति, सद्भाव एवं मंगलमय वातावरण बनाए रखने की कामना की जाती है।धनतेरस के इस पावन पर्व पर भगवान धन्वंतरि की आराधना का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन के समय अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। उन्हें आयुर्वेद का प्रवर्तक तथा आरोग्य एवं उत्तम स्वास्थ्य का अधिष्ठाता देव माना जाता है। इस दिन उनकी पूजा करके समस्त परिवारजनों के निरोगी जीवन, उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामना की जाएगी।इसी प्रकार माता महालक्ष्मी की आराधना के माध्यम से जीवन में धन-धान्य, सुख-समृद्धि, वैभव एवं खुशहाली की प्रार्थना की जाएगी। मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलित कर प्रकाश पर्व का स्वागत किया जाएगा। दीपों की पावन ज्योति के माध्यम से अज्ञान रूपी अंधकार दूर होने, ज्ञान, सद्भाव, सकारात्मकता एवं धर्म की भावना का प्रकाश प्रत्येक घर-परिवार में प्रसारित होने की कामना की जाएगी।श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, भोपाल के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों द्वारा बताया गया कि धनतेरस से प्रारंभ होने वाला दीपोत्सव भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म एवं आध्यात्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है। यह उत्सव हमें आरोग्य, समृद्धि, पारिवारिक एकता, सेवा, सद्भाव एवं परस्पर प्रेम का संदेश देता है। भगवान धन्वंतरि की उपासना हमें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देती है, वहीं माता महालक्ष्मी की आराधना जीवन में धर्मसम्मत समृद्धि एवं सदाचार का महत्व बताती है।उन्होंने बताया कि दादाजी धाम मंदिर में पांच दिवसीय दीपोत्सव के अंतर्गत सभी धार्मिक आयोजन पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं वैदिक विधि-विधान के अनुसार संपन्न किए जाएंगे। इस अवसर पर समस्त श्रद्धालुओं के कल्याण, परिवारों की खुशहाली, समाज में सुख-शांति तथा संपूर्ण विश्व में आरोग्य, सद्भाव एवं शांति स्थापित होने की मंगलकामना की जाएगी।ट्रस्ट की ओर से समस्त श्रद्धालु भक्तजनों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों से सादर आग्रह किया गया है कि वे धनतेरस के इस पावन अवसर पर श्री दादाजी धाम मंदिर पहुंचकर भगवान धन्वंतरि एवं माता महालक्ष्मी के दर्शन, पूजन, गोपाल सहस्त्रनाम पाठ एवं श्रीसूक्त पाठ में सहभागी बनें तथा दीपोत्सव के शुभारंभ पर धर्मलाभ प्राप्त करें।

शिवरतन नामदेव अध्यक्ष श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) भोपाल।

जानकारी

सैलरी और पेंशन पर आ सकता है बड़ा अपडेट

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है. 8वें वेतन आयोग ने अपने देशव्यापी दौरे के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 22 और 23 जून को अहम बैठक तय की है. इस बैठक में केंद्रीय सरकारी संस्थानों, कर्मचारी यूनियनों और संगठनों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.आयोग का मकसद कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सुनना है ताकि नई वेतन संरचना तैयार करते समय कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. आयोग ने स्पष्ट किया है कि लखनऊ बैठक में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश की कर्मचारी यूनियनों को 10 जून 2026 तक एनआईसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा.आयोग ने अपॉइंटमेंट प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया है. यूनियनों को पहले अपना मांग पत्र आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करना होगा. मांग पत्र सफलतापूर्वक जमा होने के बाद एक यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी. इसी मेमो आईडी के जरिए यूनियनें बैठक के लिए अपॉइंटमेंट ले सकेंगी.इस बीच आयोग ने सभी केंद्रीय कर्मचारी यूनियनों और पेंशनर्स एसोसिएशन्स से 31 मई 2026 तक अपनी सिफारिशें और मांग पत्र जमा करने को कहा है.

देश के बड़े कर्मचारी संगठन जैसे एनसी-जेसीएम और एआईडीईएफ

शिक्षा

तराई की खुशबू से भरपूर लखीमपुर खीरी के कच्चे केले के कोफ्ते

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला लखीमपुर खीरी सिर्फ अपनी हरियाली, तराई और गन्ने की खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक स्वादों के लिए भी खास पहचान रखता है. नेपाल सीमा से सटे इस इलाके की रसोई में मिट्टी की सोंधी खुशबू, देसी मसालों का संतुलन और घर जैसा स्वाद हर व्यंजन में महसूस होता है. इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में ÷कच्चे केले के कोफ्ते÷ ऐसी शाही डिश मानी जाती है, जो आज भी यहां के केले का इस्तेमाल सिर्फ साधारण सब्जी के रूप में नहीं, बल्कि बेहद खास अंदाज में किया जाता है. यहां बनने वाले केले के कोफ्ते इतने मुलायम और रेशमी होते हैं कि मुंह में जाते ही घुल जाते हैं. इस डिश की सबसे बड़ी खासियत इसका संतुलित स्वाद है, जिसमें मसाले केले के प्राकृतिक स्वाद को दबाते नहीं बल्कि उसे और निखार देते हैं.सबसे पहले कच्चे केलों को हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलें नहीं, बस इतने नरम हो जाएं कि आसानी से मैश किए जा सकें. अब केले का छिलका हटाकर उन्हें अच्छे से मैश करें. इसमें भुना बेसन, हरी मिर्च, अदरक, अजवाइन, हींग, नमक और लाल मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें.

34 लाख रुपये तक की कटौती, भारत में असेंबलिंग शुरू होते ही बदले दाम

नई दिल्ली. लग्जरी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिएको लेकर बड़ी खबर सामने आई है. ने भारत में अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड की लोकल असेंबली शुरू कर दी है. इसके बाद कंपनी ने चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में 34 लाख रुपये तक की कटौती की है. कीमतों में इस बदलाव से पहले के मुकाबले अधिक किफायती हो गई है, हालांकि यह अब भी प्रीमियम लग्जरी श्रेणी में आती है. कंपनी अब महाराष्ट्र के पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 110 के चुनिंदा वेरिएंट को असेंबल कर रही है. पहले इन गाड़ियों को पूरी तरह निर्मित यूनिट यानी ष्ठक्र के रूप में विदेश से भारत लाया जाता था. लोकल असेंबली से आयात लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका फायदा ग्राहकों को कम कीमत के रूप में मिला है. नई कीमतों के साथ एक बार फिर भारतीय लग्जरी बाजार में चर्चा का विषय बन गई है.कीमतों में आई कमी का सबसे बड़ा कारण इसकी भारत में लोकल असेंबली को माना जा रहा है. अब तक कंपनी इस को स्लोवाकिया से पूरी तरह निर्मित यूनिट के रूप में भारत में आयात करती थी. इस प्रक्रिया में आयात शुल्क और अन्य संबंधित लागतें वाहन की अंतिम कीमत को प्रभावित करती थीं.

मंदसौर में बाबा साहब की प्रतिमा खंडित- भानपुरा में भीम आर्मी का उग्र प्रदर्शन चक्काजाम के बाद एडिशनल एसपी ने दिया कड़ी कार्रवाई का भरोसा

प्रदीप जीनगर। सिटी चीफ

मंदसौर (मध्य प्रदेश)ः मन्दसौर जिले के भानपुरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम लौटखेड़ी में असामाजिक तत्वों द्वारा संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को खंडित करने का एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में भारी जन आक्रोश फैल गया और सांप्रदायिक माहौल बिगड़ने की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया है।

देर रात की कायरतापूर्ण करतूत, सुबह फूटा गुस्सा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात्रि तकरीबन 11ः00 से 12ः30 बजे के बीच की है, जब किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों ने लौटखेड़ी गांव में स्थापित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया।

ैसे ही अलसुबह ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों को इस बात की भनक मिली, पूरे क्षेत्र में तनाव फैल गया। घटना से नाराज भीम आर्मी और अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता तुरंत सड़कों पर उतर आए। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने भानपुरा बाईपास (लौटखेड़ी चौराहे) पर पहुंचकर करीब 3 घंटे तक चक्काजाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया।

भीम आर्मी के नेता विजय धमनिया का तीखा रुख और चेतावनी घटनास्थल पर पहुंचे भीम आर्मी के पूर्व संभाग उपाध्यक्ष (उज्जैन) विजय धमनिया ने इस कायराना हरकत पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने मीडिया और प्रशासन के सामने अपना पक्ष रखते हुए कहाः-



प्रशासनिक सुस्ती पर उठाए सवालः- विजय धमनिया ने बताया कि घटना रात के अंधेरे में लगभग 12ः30 बजे को अंजाम दी गई थी। सुबह घटना सामने आने के बाद भी शुरुआत में पुलिस या प्रशासन की ओर से कोई ठोस या तत्पर कार्रवाई होती नहीं दिखाई दी। अधिकारी केवल %जांच कर रहे हैं% का रटा-रटाया आश्वासन दे रहे थे, जिससे समाज में और अधिक नाराजगी फैली।

आर-पार की लड़ाई का ऐलानः- उन्होंने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि बाबा साहब का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जब तक प्रतिमा खंडित करने वाले मुख्य आरोपियों की पहचान कर उन्हें सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाता, तब तक यह आंदोलन अनवरत जारी रहेगा।

समाज से शांति और एकजुटता की अपील इसी के साथ विजय धमनिया और संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने और कानून के दायरे में रहकर न्याय की मांग करने की अपील की, ताकि कोई भी असामाजिक तत्व इस स्थिति का गलत फायदा न उठा सके। मौके पर पहुंचे आला अधिकारी, भीम आर्मी ने सौंपा ज्ञापन

माहौल की संवेदनशीलता को देखते हुए गरोठ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) रामसनेही मिश्रा भारी पुलिस बल और भानपुरा थाना प्रभारी विनय बौंदेला के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे भीम आर्मी के प्रतिनिधियों, विजय धमने और ग्रामीणों से सीधे बातचीत की। मंदसौर जिले के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची थी..!

एएसपी मिश्रा ने आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कानूनी कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों ने करीब 3 घंटे से जारी धरना और चक्काजाम समाप्त किया। इसके बाद भीम आर्मी के प्रतिनिधिमंडल ने भानपुरा थाने पहुंचकर दोषियों पर तत्काल रासुका (ह्न) जैसी गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई करने की मांग को लेकर एक कड़ा ज्ञापन भी सौंपा।

मीडिया से चर्चा में एडिशनल एसपी राम स्नेही मिश्रा का बड़ा बयान इस पूरे घटनाक्रम को लेकर जब मीडिया ने एडिशनल एसपी राम स्नेही मिश्रा से चर्चा की, तो उन्होंने स्थिति को स्पष्ट करते हुए निम्नलिखित प्रमुख बातें कहींः-

तनाव के बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण मेंः एएसपी ने बताया कि सुबह प्रदर्शन के कारण कुछ समय के लिए भानपुरा बाईपास प्रभावित हुआ था, लेकिन पुलिस की त्वरित समझाइश के बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया है। वर्तमान में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य है।

अज्ञात आरोपियों पर मामला दर्जः- पुलिस ने धार्मिक और सामाजिक भावनाएं भड़काने व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की धाराओं के तहत अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

साक्ष्यों और सीसीटीवी की मदद से तलाशः- घटना को अंजाम देने वाले शरारती तत्वों को पकड़ने के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इसके साथ ही तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है।

नई प्रतिमा की स्थापना का आश्वासनः- प्रशासन ने सामाजिक संगठनों को आश्वस्त किया है कि खंडित प्रतिमा के स्थान पर जल्द ही नई प्रतिमा को पूरे आदर और सम्मान के साथ स्थापित कराया जाएगा।इलाके में पुलिस बल तैनातः- क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए भानपुरा थाना प्रभारी सहित अतिरिक्त पुलिस बल को तैनात किया गया है, जो लगातार गश्त कर स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

सीएमएचओ ने सेवानिवृत्त लेखापाल सह स्टोर कीपर को शाल एवं श्रीफल भेंटकर दी विदाई

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ लेखापाल सह स्टोर कीपर श्री हीरालाल शुक्ला के अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने के अवसर पर आई.पी.पी.-6 सभागार में आयोजित विदाई समारोह में उन्हें शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया तथा उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की।



इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि श्री हीरालाल शुक्ला ने अपने शासकीय दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनके द्वारा किए गए कार्य सदैव सराहनीय रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री शुक्ला ने 19 वर्षों तक शासकीय सेवा में अपना योगदान दिया है। अब उनके जीवन की दूसरी पारी शुरू हो रही है। उन्होंने कामना की कि वे इस नई पारी की शुरुआत अच्छे ढंग से करें, ईश्वर की आराधना एवं समाजसेवा में समय दें तथा स्वस्थ एवं निरोगी रहें।

सेवानिवृत्त श्री हीरालाल शुक्ला ने भी अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए।

उन्होंने कहा कि उन्हें कार्यालय में पदस्थ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिला।

इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. शुक्ला एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अंशुमान सोनारे ने भी श्री शुक्ला के कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में मुख्य लिपिक श्री आर.के. अग्निहोत्री, डी.पी.एच.एन.ओ. श्रीमती शोभा गुप्ता, श्री संदीप पटेल, श्री धीरेंद्र श्रीवास्तव, श्री रजनीश गुप्ता, श्री संतोष सिंह, श्री रघुवीर सिंह, जिला लेखा प्रबंधक श्री शैलेन्द्र जैन, श्री रामगोपाल गुप्ता, श्री सूरज गुप्ता, श्री रितेशराज चतुर्वेदी, श्री सूरज मौर्य सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में संचालित गौशालाओं का अनुदान प्रतिमाह भुगतान कराना सुनिश्चित करें उपसंचालक पशु चिकित्सा- कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल, कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने जिले में संचालित गौशालाओं की समीक्षा करते हुए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को निर्देश दिए कि गौवंश के भोजन आदि व्यवस्था के लिए सरकार से मिलने वाले अनुदान का भुगतान प्रतिमाह संबंधित संस्था को कराना सुनिश्चित करें। जिले में वर्तमान में 20 गौशालाएं क्रियाशील हैं। कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल ने शेष 14 गौशालाएं जिनके भवन बन गए हैं को क्रियाशील करने के निर्देश दिए तथा गौ संवर्धन बोर्ड में पंजीयन कराकर उन्हें भी अनुदान दिलाने हेतु आवेदन करने के निर्देश उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं को दिए।



बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, एसडीएम जयसिंहनगर सुश्री काजोल सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, एसडीएम ब्यौहारी सुश्री अर्चना मिश्रा, एसडीएम जैतपुर श्री दीपक मंडावी, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे, श्रीमती एंटोनिया एक्का, श्री अंकित ऊके सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा कैंट में बनेगा नया स्टेडियम, रक्षा मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव



दीपावली पर सभी 8 वार्डों में चलेगा विशेष सफाई अभियान

जितेंद्र पमनानी। सिटी चीफ

आगरा(उ.प्र.),आगरा कैंट बोर्ड के मनोनीत सदस्य राजेश गोयल ने प्रतापपुर स्थित रामना मैरिज होम में प्रेस वार्ता के दौरान क्षेत्र के विकास से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि छह्नछ्ठ के पास आर्मी की जमीन पर नया स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेज दिया गया है। साथ ही, दीपावली के अवसर पर छावनी क्षेत्र के सभी 8 वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा और सदर बाजार का दीपावली मेला इस बार भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस दौरान संजीव चौबे, विजय कुमार और अशोक अग्रवाल समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

माफिया राज के खिलाफ कटनी में कांग्रेस का हल्लाबोल, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सुनील यादव। सिटी चीफ

कटनी। मध्यप्रदेश में बढ़ते माफिया आतंक और बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी कटनी शहर ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेसजनों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर विरोध जताया और प्रदेश में कानून व्यवस्था दुरुस्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने शराब, रेत और खनिज माफियाओं के बढ़ते आतंक को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस ने हाल ही में शराब माफिया द्वारा खातौंगांव थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी को ट्रक से कुचलकर मारने की घटना को प्रदेश की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल बताया।

जिला कांग्रेस कमेटी कटनी शहर अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला ने कहा कि प्रदेश में माफियाओं के हौसले बुलंद हैं और अपराधियों के मन से कानून का डर समाप्त होता जा रहा है। जब कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी ही माफियाओं के हमलों से सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में माफिया आतंक और कानून व्यवस्था की बदहाली अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस की मांग है कि माफियाओं के साथ-साथ उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई हो। प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने के लिए कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

ज्ञापन में कांग्रेस ने प्रमुख रूप से थाना प्रभारी दिलीप पुरी गोस्वामी की हत्या के सभी आरोपियों पर कठोर कार्रवाई, प्रदेश में सक्रिय माफियाओं के अवैध कारोबार पर रोक, माफियाओं को संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच तथा पुलिस अधिकारियों एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इसके साथ ही कटनी जिले में भी अवैध गतिविधियों और माफिया तंत्र पर प्रभावी नियंत्रण की मांग की गई।

इस दौरान प्रेम बत्रा, राजा जगवानी, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, श्याम पाहुजा, आफताब अहमद, विजय मंगल चौधरी, अहमद कुरैशी, राहुल होतवानी, नारायण निषाद, राजकुमार विश्वकर्मा, रमेश अहिरवार, कपिल पटेल, अंशु गुप्ता, ऋषभ पटेल, लक्ष्मी यादव, इकलाख अहमद और हर्षित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सहारनपुर के नगर भाजपा विधायक राजीव गुंबर और वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल का प्रभुजी की रसोई में बडे धूमधाम के साथ मनाया गया जन्मदिन

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर (उ.प्र.)। सहारनपुर के नगर भाजपा विधायक राजीव गुंबर और सहारनपुर मंडल के वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल का प्रभुजी की रसोई में बडे धूमधाम के साथ जन्मदिन

मनाया गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहारनपुर नगर विधायक राजीव गुंबर को उनके 58 वें जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं पेश की। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर राजीव गुंबर मुख्यमंत्री से लखनऊ में मिले थे उस दौरान मुख्यमंत्री ने विधायक राजीव गुंबर को आश्वासन दिया कि उनके द्वारा सहारनपुर नगर में प्रस्तावित किए गए सभी विकास कार्यों को समय सीमा के भीतर पूरा कराए जाने के निर्देश उनकी ओर से दिए गए हैं। उन्होंने राजीव गुंबर के सेवा कार्यों की सराहना की और कहा कि वे और ज्यादा तत्परता के साथ अपने क्षेत्र की जनता की सेवा करें और कार्यकर्त्ताओं को साथ लेकर मिशन-2027 को सफल बनाएं। विधायक राजीव गुंबर और वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल का जन्मदिन समारोह प्रभुजी की रसोई में बहुत ही सादगी और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान प्रभुजी की रसोई का संचालन करने वाली



लोक कल्याण समिति के सचिव एवं प्रमुख व्यापारी नेता शीतल टंडन की ओर से विधायक राजीव गुंबर, उनकी पत्नी स्नेह गुंबर और वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल को पग?ी और पटका पहनाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई। विधायक राजीव गुंबर और वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल ने इस अवसर पर कहा कि पिछले 10 वर्षों से प्रभुजी की रसोई सफलतापूर्वक हजारों गरीबों और निःसहाय लोगों को दोपहर का भोजन निःशुल्क करा रही है। उन्होंने सफलतापूर्वक प्रभुजी की रसोई का संचालन करने के लिए शीतल टंडन का आभार व्यक्त किया और उन्हें भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख अखिलेश मित्तल, कर्नल संजय मिड?ा, मुरली खन्ना, गोपाल सिंह सैनी, विकास कश्यप, संजीव सचदेवा आदि ब?ी संख्या में प्रमुख लोग उपस्थित थे। शीतल टंडन ने बताया कि प्रतिदिन प्रभुजी की रसोई के जरिए करीब चार सौ लोगों को निःशुल्क भोजन कराती आ रही है। 2017 से संचालित इस प्रभुजी की रसोई की स्थापना यहां के तत्कालीन कमिश्नर दीपक कुमार अग्रवाल द्वारा कराई गई थी। जो वर्तमान में नेफेड के एमडी पद पर कार्यरत हैं।

वन्यप्राणी संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दक्षिण शहडोल वनमंडल के छह कर्मचारी सम्मानित

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल, वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (भा0व0से0) के निर्देशन एवं वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल सुश्री श्रद्धा पन्द्रे (भा0व0से0) एवं उप वनमण्डलाधिकारी सोहागपुर श्री संतोष कुमार शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में दिनॉक 30.10.2026 एवं दिनॉक 31.10.2026 की दरम्यानी रात्रि में वनमण्डल दक्षिण शहडोल अंतर्गत गठित रात्रिगश्ती दल द्वारा रात्रिकालीन गश्ती के समय ग्राम धनगवां के भैरव टोला राजस्व क्षेत्र में भैरव टोला से कालोनी की ओर जाने वाली 11के0व्ही विद्युत लाईन से वन्यप्राणियों के शिकार हेतु करंट फैलाये जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के आधार पर गश्ती दल मौका स्थल का निरीक्षण किया जहॉ घटना स्थल से कुछ व्यक्ति भागते दिखे जिन्हे गश्ती दल के द्वारा तत्परता दिखाते हुये एक आरोपी को पकडा गया। पूछताछ करने पर उक्त के द्वारा अपना नाम कतकू पिता हरीदीन बैगा साकिन धनगवां बताया गया। पूछताछ में उक्त आरोपी के द्वारा 11 के0व्ही0 विद्युत लाईल से करंट फैलाकर जंगली सुअर के शिकार करने के प्रयाश को स्वीकार किया गया। उक्त घटना घटित होने के पूर्व गश्ती दल के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये अरोपियों के द्वारा



वन्यप्राणी के शिकार करने की योजना को विफल किया गया। जिससे वन्यप्राणी संरक्षण एवं शिकार की रोकथाम के लिये कर्मचारियों के द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। पकड़े गये आरोपी को दिनॉक 01.11.2026 को माननीय न्यायालय के समझ प्रस्तुत किया गया जहॉ से माननीय न्यायालय द्वारा मेडिकल परीक्षण उपरांत आरोपी को जिला जेल शहडोल भेजा गया। उक्त दल के द्वारा वन्यप्राणी के सुरक्षा हेतु किये गये सराहनीय कार्य हेतु दिनॉक 04.11.2026 को वनमण्डलाधिकारी दक्षिण शहडोल एवं वन्यप्राणी सुरक्षा के तहत् उत्कृष्ट कार्य करने वाले निम्नानुसार कर्मचारियों को शील्ड एवं प्रमाण पत्र प्रदाय कर सम्मानित किया गया ताकि वन्यप्राणियों की सुरक्षा में कर्मचारियों का मनोबल बडे एवं भविष्य में भी कर्मचारी ऐसे ही दृढ संकल्प के साथ वन एवं वन्यप्राणियों की सुरक्षा हेतु सराहनीय कार्य करते रहे।

1. श्री नारेन्द्र कुमार बाथम, उपवनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र सहायक चुहरी
2. श्री रविनारायण शुक्ला, वनरक्षक, वि0क0
3. श्री शिवम बैगा, वनरक्षक, बीटगार्ड धनगवां
4. श्री दिलबाज खान, वाहन चालक
5. श्री राघौ यादव, अध्यक्ष, ग्राम वन समिति धनगवां
6. श्री रामजियावन सुरक्षा श्रमिक



3 लाख का कर्ज, 4 लाख 70 हजार का चेक बाउंस, कोर्ट ने आरोपी श्रीकांत गोले को सुनाई 1 साल की सजा कहा- प्रतिकर नहीं दिया तो 3 माह और भुगतनी होगी जेल

बड़वानी, बड़वानी चेक बाउंस के एक मामले में बड़वानी कोर्ट ने सख्त फैसला सुनाया है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी महेंद्रसिंह रावत ने मंगलवार 3 नवंबर 2026 को आरोपी श्रीकांत पिता मदनलाल गोले, निवासी कुम्हार मोहल्ला बड़वानी को 1 वर्ष के कारावास और 4,70,000 रुपये प्रतिकर की सजा सुनाई। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि प्रतिकर अदा न करने की दशा में आरोपी को 3 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा।आरोपी श्रीकांत ने परिवादी संस्था श्रीकृष्ण प्रजापति साख सहकारी संस्था से 27 जुलाई 2019 को 3,00,000 रुपये का ऋण लिया था। ऋण की किश्तें नियमित रूप से अदा नहीं की गईं। धीरे-धीरे बकाया राशि बढ़कर 4,70,000 रुपये हो गई।बकाया राशि चुकाने के लिए आरोपी ने 28 दिसंबर 2022 को संस्था को चेक दिया। संस्था ने जब चेक को अपनी बैंक में प्रस्तुत किया तो खाते में अपर्याप्त निधि होने के कारण चेक अनादरित हो गया।चेक बाउंस होने के बाद परिवादी संस्था के मैनेजर जय पिता दिनेश गोले ने आरोपी के विरुद्ध न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। लंबी सुनवाई के बाद 3 नवंबर 2026 को प्रकरण का निराकरण हुआ और न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया।परिवादी संस्था की ओर से अधिवक्ता हेमेन्द्र कुमरावत के मार्गदर्शन में अधिवक्ता नरेन्द्र राठौड़ और एस.एल. यादव ने पैरवी की।

छोटे से ग्राम तलवाडा से हुआ नेत्रदान सीरवी समाज की जागरूकता का परिणाम

अतुल कुमावत। सिटी चीफ



बडवानी, दुनिया मे प्रतिदिन कई लोगो का जन्मदिन होता है तो कई लोगो की मृत्यु हो जाती है. जीवन चक्र चलता रहता है। इस चक्र मे मृत्यु को भी महोत्सव बना देते है. ऐसा ही बिरला कार्य किया है छोटे से गांव तलवाडा के सोलंकी परिवार नें। नाती बाई के निधन की सुचना मिलते है ग्राम के डॉक्टर अनिल सोलंकी नें परिजनों से नेत्रदान के विषय मे बातचित कर सहमति प्राप्त की और डॉक्टर चक्रेश पहाडिया को नेत्रदान की सुचना दि. सुचना प्राप्त करते ही डॉक्टर पहाडिया रात्रि 1.30 बजे तलवाडा पहुँचे और नेत्रदान की प्रकिर्या संपन्न करवाई और कॉरनिया को सुरक्षित रूप से एम के इंटरनेशनल आई बैंक इंदौर पहुंचाया.

अनजान लोगो को रौशनी मिल सके इसलिए स्वयं के दुःख को कुछ क्षण के लिए भूलाकर मानव सेवा का कार्य किया है। रोटरी क्लब के ललित जैन द्वारा परिजनों से आवश्यक सहमति पत्र भरवाया। दुख़द समय मे मानव धर्म को सर्वोपरि रखते हुए नेत्रदान का निर्णय लेकर अनजान लोगो के अंधयारे जीवन मे रौशनी भरने वाले हरजी सोलंकी, प्रकाश,निलेश, त्रिलोक, पुनाजी, गोपाल, जगदीश, जितेंद्र, कैलाश व शम्मी बडोले व परिवार का रोटरी क्लब बडवानी नें आभार व्यक्त किया।

जयपुर-बयाना एक्सप्रेस रेलसेवा का भरतपुर तक विस्तार, 06 से 20 नवम्बर तक मिलेगी सुविधा

गोपाल गुप्ता। सिटी चीफ

रेलवे द्वारा त्यौहारों के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर-बयाना-जयपुर एक्सप्रेस रेलसेवा का दिनांक 06 से 20 नवम्बर 2026 तक भरतपुर तक अस्थाई विस्तार किया जा रहा है।उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री अमित सुदर्शन के अनुसार गाड़ी संख्या 19721, जयपुर-बयाना एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 06 से 20 नवम्बर 2026 तक जयपुर से अपने निर्धारित समयानुसार प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा बयाना स्टेशन पर 12.20 बजे आगमन कर 12.22 बजे प्रस्थान करेगी तथा 13.00 बजे भरतपुर पहुंचेगी।इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 19722, बयाना-जयपुर एक्सप्रेस रेलसेवा दिनांक 06 से 20 नवम्बर 2026 तक बयाना के स्थान पर भरतपुर से 13.30 बजे प्रस्थान करेगी। यह रेलसेवा बयाना स्टेशन पर 14.08 बजे आगमन कर 14.10 बजे प्रस्थान करेगी तथा अपने निर्धारित समयानुसार जयपुर पहुंचेगी।इस अस्थाई विस्तार से त्यौहारों के दौरान जयपुर, बयाना एवं भरतपुर के मध्य यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।

जयस संगठन और सिलावद के सामाजिक कार्यकर्ताओं के निवेदन पर नाप-तौल विभाग की अचानक कार्रवाई

अतुल कुमावत । सिटी चीफ

बड़वानी, बड़वानी जयस संगठन और सिलावद क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ताओं के निवेदन पर नाप-तौल विभाग बड़वानी द्वारा सिलावद क्षेत्र में बुधवार को अचानक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान विभाग की टीम ने सिलावद की कई दुकानों पर लगे कांटों की जांच की। जांच में एक दुकान पर तोल में गड़बड़ी पाई गई। वहां 1 किलो तक का फर्क आ रहा था। इससे सीधे तौर पर किसानों को नुकसान हो रहा था, क्योंकि किसान अपनी कपास और अन्य उपज उसी कांटे पर तौलकर बेच रहे थे।



वहीं एक अन्य दुकान के कांटे पर शासकीय सील लगी हुई नहीं पाई गई। बिना सील वाले कांटे से तोल करना नियमों के खिलाफ है। इस पर विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि लंबे समय से किसानों की शिकायत आ रही थी कि तोल में फर्क किया जा रहा है। किसान मेहनत से फसल उगाता है, लेकिन तोल में गड़बड़ी से उसे सीधा नुकसान होता है। इसी शिकायत पर विभाग से निरीक्षण की मांग की गई थी।

विभाग की इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने दुकानदारों को चेतावनी दी कि बिना सील वाले कांटे का उपयोग न करें और तोल में पूरी पारदर्शिता रखें।जयस संगठन ने विभाग की कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा है कि इस तरह के निरीक्षण समय-समय पर होते रहना चाहिए, ताकि किसानों के साथ धोखाधड़ी न हो। संगठन ने किसानों से भी अपील की है कि अपनी उपज बेचते समय कांटे पर सील जरूर देखें और तोल पर नजर रखें। अगर कहीं भी गड़बड़ी लगे तो तुरंत संगठन या विभाग को सूचना दें।

दीपावली से पहले मिलावट पर प्रशासन का बड़ा वार, भारत दूध डेयरी में अचानक पहुंची टीम राजघाट रोड स्थित डेयरी प्लांट से दूध, मावा और घी के नमूने लिए

अतुल कुमावत। सिटी चीफ

बड़वानी, बड़वानी दीपावली के बाजार में कहीं मिठास के नाम पर मिलावट तो नहीं परोसी जा रही, इसे लेकर प्रशासन ने खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच तेज कर दी है। खाद्य सुरक्षा और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने राजघाट रोड स्थित भारत दूध डेयरी प्लांट पर औचक दबिश दी। टीम ने डेयरी में दूध, मावा और घी के नमूने लिए। इसके साथ ही शहर की दो प्रमुख मिठाई दुकानों पर भी जांच कर खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए। तीनों प्रतिष्ठानों से कुल 11 नमूने लिए गए हैं। कार्रवाई देर शाम तक जारी रही। कलेक्टर के निर्देशन में पहुंची टीम ने भारत दूध डेयरी प्लांट का निरीक्षण किया। यहां दूध, मावा और घी के तीन नमूने लिए गए। तहसीलदार राहुल सोलंकी ने बताया कि त्योहार को देखते हुए

दुकानों, प्रतिष्ठानों और दूध डेयरियों की जांच की जा रही है। नमूनों को प्रयोगशाला भेजा जाएगा और रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। वहीं



जंबू मिष्ठान से मिठाई मावा, सेव, केसर पेड़ा और सोन पपड़ी के चार नमूने लिए गए। वहीं राजा

मिष्ठान से बेसन लड्डू, मलाई बर्फी, सोन पपड़ी और सेव के नमूने लिए गए। दोनों दुकानों से आठ नमूने लिए गए हैं।

भोपाल की लैब में होगी जांच, रिपोर्ट के बाद कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज आंचल ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से लगातार निरीक्षण और सैंपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार को तहसीलदार सहित संयुक्त टीम ने औचक जांच की। सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला, भोपाल भेजे जाएंगे। रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों के मानकों का उल्लंघन सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि आमजन के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से राजस्थान के माय भारत युवा स्वयंसेवकों ने की शिष्टाचार भेंट

गोपाल गुप्ता। सिटी चीफ

उदयपुर(सू)। वंदे मातरम् शिविर के दौरान राजस्थान के माय (मेरा युवा भारत), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार से जुडे युवा स्वयंसेवकों ने पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से चंडीगढ में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर उदयपुर जिले से माय भारत युवा स्वयंसेवक जयेश मेनारिया, दिव्या कलाल एवं हेमलता प्रजापत (वसई) सहित बांसवाडा जिले के अन्य युवा स्वयंसेवक भी उपस्थित रहे।

मुलाकात के दौरान स्वयंसेवकों ने माय भारत के माध्यम से युवाओं के बीच किए जा रहे कार्यों, सामाजिक गतिविधियों, युवा सहभागिता, नेतृत्व विकास एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका से संबंधित अपने अनुभव साझा किए।

वंदे मातरम् शिविर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों से आए युवाओं को एक मंच पर जुडने, एक-दूसरे की संस्कृति एवं विचारों को समझने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अवसर मिल रहा है।

बेनियाबाग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स मामले में हाईकोर्ट पहुंचा विवाद, नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल के खिलाफ अवमानना याचिका दर्ज!

डॉ उदय शंकर भगत। सिटी चीफ

वाराणसी द्य बेनियाबाग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को लेकर नगर निगम और व्यापारी भाइयों के बीच चल रहा विवाद अब एक नया कानूनी मोड़ ले चुका है शॉपिंग कॉम्प्लेक्स को जर्जर बताकर लगातार कार्रवाई की चर्चाओं के बीच व्यापारियों ने अपने कानूनी अधिकारों की लड़ाई इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंचा दी है इलाहाबाद हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध केस स्टेटस के अनुसार कंटेम्प्ट एप्लीकेशन सिविल संख्या 7918/2026 दर्ज की गई है इस मामले में याचिकाकर्ता मोहम्मद ज़ोहाद हैं जबकि प्रतिवादी के रूप में हिमांशु नागपाल का नाम दर्ज है जिन्हें वाराणसी नगर निगम के नगर आयुक्त के रूप में जाना जाता है न्यायालय के रिकॉर्ड के मुताबिक मामले का पंजीकरण 30 अक्टूबर 2026 को हुआ है वहीं अगली सुनवाई 4 नवंबर 2026 को कोर्ट संख्या 7 में क्रम संख्या 9 पर निर्धारित की गई है इस याचिका का संबंध न्यायालय के आदेश के अनुपालन न होने के आरोप से है ऐसे में अब नगर निगम की कार्रवाई और व्यापारियों की ओर से उठाए गए कानूनी सवालों पर न्यायालय की आगे की कार्यवाही महत्वपूर्ण मानी जा रही है व्यापारी भाइयों ने न्यायपालिका पर पूरा भरोसा जताते हुए उम्मीद व्यक्त की है कि उन्हें न्याय मिलेगा और उनके हितों की रक्षा होगी अब बड़ा सवाल यह है कि बेनियाबाग शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के मामले में आगे न्यायालय का क्या रुख रहता है क्या व्यापारियों को राहत मिलेगी और नगर निगम की कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी फिलहाल सभी की निगाहें 4 नवंबर को होने वाली हाईकोर्ट की सुनवाई पर टिकी हुई हैं वाराणसी की इस बड़ी खबर में आगे क्या नया मोड़ आता है यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित निर्माण कार्यों में हर दिन का महत्व, समय पर पूर्ण हो निर्माण कार्य

अतुल कुमावत। सिटी चीफ

बडवानी,कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागृह में जिले के सभी प्रमुख निर्माण एवं विकास एजेंसियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एनएचएम, पीआईयू, पीएमजीएसवाई, पीडब्ल्यूडी, आरईएस, जिला पंचायत, जिला शिक्षा केंद्र तथा शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान जिला शिक्षा केंद्र तथा शिक्षा विभाग के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन पीआईयू,



एसएमसी एवं आरईएस सहित अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से जिले में संचालित समस्त भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की बिन्दुवार समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि सभी निर्माणाधीन कार्य चालू कैलेण्डर वर्ष के अंत तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं, निर्धारित समयावधि के भीतर कार्य पूर्ण नहीं किए जाने पर संबंधित एजेंसियों के विरुद्ध वित्तीय पेनल्टी आरोपित की जाएगी।

जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्रीमती सिंह ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में प्रत्येक दिन का महत्व है। निर्माण कार्यों से जुडे सभी विभाग बेहतर कार्य-योजना बनाकर निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण कराएं। साथ ही, बडे निर्माण कार्यों की निरंतर और नियमित फील्ड विजिट करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

एनएचएम के अंतर्गत किए जा रहे स्वास्थ्य एवं बुनियादी ढांचे से जुडे निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि जो कार्य पूर्ण हो चुके हैं, उन्हें बिना किसी विलंब के संबंधित विभागों को शीघ्र हैंडओवर किया जाए, ताकि आम जनता को उनका लाभ यथाशीघ्र मिल सके।

बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना (पीएमजीएसवाई), महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत निर्माणाधीन आंगनवाडी भवनों, एमपीआरडीसी तथा श्प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्रामश् योजना के तहत चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक प्रशासनिक निर्देश दिए गए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अर्पित गुप्ता विभिन्न निर्माण विभागों के विभाग प्रमुख एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

किंग कोहली का बर्थडे से पहले एडवांस धमाका

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारत की एकतरफा जीत

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार (4 नवंबर) को ऑकलैंड में हुआ. जहां भारतीय टीम ने पांच वकिट से जीत दर्ज की. इस तरह भारतीय टीम अब वनडे सीरीज में 1-0 से आगे हो गई है.

ऑकलैंड के ईडन पार्क में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को पांच मैंचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में 5 हरा दिया. भारतीय टीम की जीत के रनचेज में हीरो वरिाट कोहली रहे, जन्होंने अपना 80वां अर्धशतक जड़ा. वहीं गेंदबाजी में अर्शदीप सहि ने 4 वकिट, गुरनूर बरार ने 3 वकिट और अंशुल कंबोज ने 2 वकिट लेकर न्यूजीलैंड को महज 185 रनों पर समेट दिया. अंशुल कंबोज को उनकी कंजूसी भरी गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच दे गए. कंबोज ने 10 ओवर में 22 रन देकर 2 वकिट लिए.

इस मुकाबले में बारशि ने कई बार व्यवधान डाला, इस वजह से भारतीय टीम को नयिम के तहत 143 रन (32 ओवर्स) का टारगेट मलिा था. जसिे भारतीय टीम ने बेहद आसानी से 56 गेंद शेष रहते हुए 22.4 ओवर्स में हासलि कर लिया. अब सीरीज का अगला मैच शनविार (7 नवंबर) को वेलगिटन में होगा. ध्यान रहे 37 साल के वरिाट कोहली की यह पारी उनके जन्मदनि (5 नवंबर) से ठीक एक दनि पहले आई.

186 रनों के लक्ष्य (167 रन का रविाइज टारगेट) का पीछा करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही. अनुभवी ओपनर रोहित शर्मा बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए. भारत की पारी के पहले ही ओवर में बड़ा झटका लगा. उनको काइल जेमीसन ने आउट किया. दो बार बारशि की बाधा की बीच वरिाट कोहली ने 35 गेंदों में फफ्टिी जड़ी, जो उनका वनडे में 80वां अर्धशतक रहा.

इसी बीच शुभमन गलि और वरिाट कोहली के बीच 113 रनों की पार्टनरशपि हुई, लेकिन जब शुभमन गलि 37 रन बनाकर नाथन स्मथि की गेंद पर टॉम लाथम को कैच थमा बैठे. वहीं वरिाट कोहली (74, 51 गेंद) रन बनाकर जैकब डफी की गेंद पर आउट हुए, उनकी पारी में 13 चौके और 1 छक्का रहा. वहीं भारतीय टीम जब जीत के मुहाने पर खड़ी थी तो अक्षर पटेल (0) श्रेयस अय्यर (15) डफी की गेंदों



पर आउट हुए. नमन धीर (5) और केएल राहुल (3) नाबाद लौटे.

वैसे भारतीय टीम को टारगेट 186 रनों का मलिा था; लेकिन पहली बार जब बारशि रुकी तो भारतीय टीम का टारगेट 40 ओवर में 167 रन बनाने थे, इसके बाद एक बार फरि बारशि हुई. जिसके बाद नियम के तहत भारत का संशोधित लक्ष्य 32 ओवर में 143 रन कर दिया गया.

न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी की हाइलाइट्स

इस मुकाबले में न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी कहीं भी भारतीय गेंदबाजी के सामने ठहर नहीं सकी और 40.2 ओवर्स में 185 रनों पर समिट गई. अर्शदीप सहि ने 4 वकिट, गुरनूर बरार ने 3 वकिट लिए. वहीं अंशुल कंबोज ने कमाल का बॉलगि स्पेल फेंका और अपने कोटे के 10 ओवर्स में 22 रन देकर 2 वकिट लिए.

न्यूजीलैंड की ओर से टमि सीफर्ट और वलि यंग बल्लेबाजी करने के लिए आए. इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने भारत को शुरुआती दो सफलताएं दलिाई पारी के पांचवें ओवर में उन्होंने वलि यंग (9) को श्रेयस अय्यर के हाथों कैच आउट करवाया. इसके बाद उनहोंने हेनरी नकिोल्स (9) को नमन धीर के हाथों मडिविकेट पर कैच आउट करवाया. टीम को तीसरी सफलता गुरनूर बरार ने दलिाई, उन्होंने टमि सीफर्ट (38) को आउट किया. इसके कुछ देर बाद ही ही गुरनूर बरार ने टॉम लाथम (3) को कॉट एंड बोल्ड आउट किया. न्यूजीलैंड का पांचवां वकिेट 97 के स्कोर पर गरि, जब डेरलि मचिल (28) रोहित शर्मा के थ्रो पर रन आउट हो गए. टीम इंडिया को छठी सफलता अंशुल कंबोज ने दलिाई. बल्ले से लगकर स्टंप्स पर जा लगी. न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा. इसके बाद अंशुल कंबोज ने नाथन स्मथि (1) को आउट किया, जनिका कैच वरिाट कोहली ने



गर्लफ्रेंड के लिए किया स्पेशल डांस

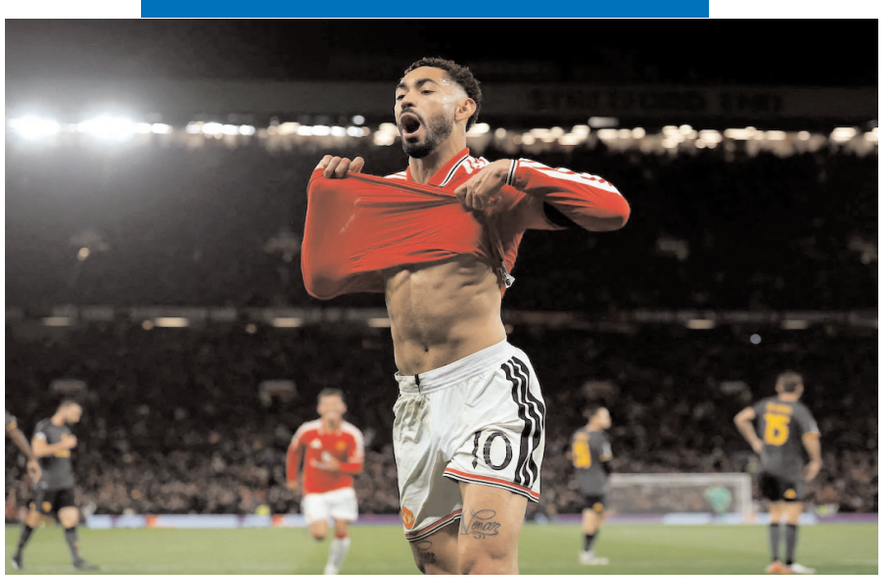
हूं की धरती पर अर्शदीप ने काटा गदर!

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेले गए पहले वनडे मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाजों ने कहर बरपाते हुए मेजबान टीम को महज 185 रनों पर समेट दिया. स्टार पेसर अर्शदीप सिंह ने 10 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट झटके. अपनी इस धारदार गेंदबाजी के दम पर अर्शदीप ने न्यूजीलैंड की सरजमीं पर एक कीर्तिमान अपने नाम कर लिया है. न्यूजीलैंड में वनडे क्रिकेट के इतिहास में 4 विकेट हॉल (एक मैच में 4 विकेट) लेने वाले अर्शदीप सिंह भारत के महज तीसरे तेज गेंदबाज बन गए हैं. अर्शदीप से पहले यह बड़ा कारनामा सिर्फ भारत के पूर्व दिग्गज जवागल श्रीनाथ (2003 में 4/23 और 1995 में 4/52) और मोहम्मद शमी (2014 में 4/55) ही कर पाए थे. अर्शदीप का यह 4/70 का स्पेल न्यूजीलैंड में किसी भी भारतीय तेज गेंदबाज का चौथा सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन बन गया है. हालांकि, वह अनिल कुंबले (1994 में 5/33) के बाद न्यूजीलैंड में 5 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बनने से सिर्फ 1 विकेट दूर रह गए. काइल जैमीसन को आउट करने के बाद अर्शदीप मैदान पर एक मजेदार डांस सेलिब्रेशन करते दिखे, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है.

पहली पारी के बाद अर्शदीप ने इस राज से पर्दा उठाते हुए बताया कि यह डांस उनकी गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस-मॉडल समरीन कौर के लिए था. अर्शदीप ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह सेलिब्रेशन मेरी गर्लफ्रेंड के लिए था. जब भी हम घूम रहे होते हैं या मूड थोड़ा ऑफ होता है तो हम एक-दूसरे का मूड ठीक करने के लिए यही डांस स्टेप्स करते हैं.

मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कीवी टीम को भारतीय तेज गेंदबाजों ने शुरुआत से ही अपनी स्विंग और उछाल से बांधकर रखा.अर्शदीप के 4 विकेटों के अलावा गुरनूर बरार ने 44 रन देकर 3 विकेट और अंशुल कंबोज ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में सिर्फ 22 रन देकर 2 शिकार किए. न्यूजीलैंड की तरफ से टिम सेफर्ट (38), ग्लेन फिलिप्स (30) और ब्लेयर टिकनर (34) ही कुछ संघर्ष कर सके, लेकिन पूरी टीम 185 रनों पर ढेर हो गई.

गोल के बाद जश्न



मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर रोमांचक मुकाबला देखने को मिला. मैनचेस्टर यूनाइटेड के मैथियस कुन्हा ने शानदार खेल दिखाते हुए अपनी टीम के लिए तीसरा गोल दागा. इसके बाद उन्होंने कुछ इस अंदाज में जश्न मनाया.

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी फिर चर्चा में

जेंडर चेंज कर चुकीं अनाया ने की खुद की तारीफ

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और टीम इंडिया के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वह अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक सेल्फी पोस्ट की है, जिसके साथ उन्होंने खुद की तारीफ भी की है.अनाया ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यानी वह खुद को क्यूट बता रही हैं. उनकी इस पोस्ट पर सोशल मीडिया यूजर्स भी जमकर प्यार लुटा रहे हैं. कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में उनकी खूबसूरती और क्यूटनेस की तारीफ की है.अनाया पहले आर्यन बांगड़ के नाम से जानी जाती थीं. वह क्रिकेट भी खेल चुकी हैं. जेंडर चेंज के बाद उन्होंने अनाया के रूप में अपनी पहचान सार्वजनिक की. सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है. इंस्टाग्राम पर उन्हें 10 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. अनाया की यह नई पोस्ट भी फैन्स के बीच चर्चा बटोर रही है.जेंडर ट्रांजिशन से पहले अनाया बांगड़ का नाम आर्यन बांगड़ था. उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर भी अपनी पहचान बनाई. मुंबई के स्थानीय क्लब क्रिकेट में इस्लाम जिमखाना की ओर से खेलकर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की. इसके बाद महज 18 साल की उम्र में इंग्लैंड की लीसेस्टरशायर लीग में हिंकले क्रिकेट क्लब का प्रतिनिधित्व किया.साल 2019 में अनाया ने पुडुचेरी की ओर से राष्ट्रीय अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में हिस्सा लिया. इस टूर्नामेंट में उन्होंने पांच मैचों में 300 रन बनाए. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 150 रन रहा, जबकि उनके बल्ले से दो अर्धशतक भी निकले. गेंदबाजी में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और कुल 20 विकेट हासिल किए.अनाया के पिता संजय बांगड़ भारतीय क्रिकेट का जाना-पहचाना नाम हैं.



मनोरंजन

आलिया का नया लुक



रामायण फिल्म को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता बढ़ गई है. मुंबई में फिल्म 'रामायण- पार्ट 1' की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की गई. इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट ने फोटोग्राफरों के सामने सादगी भरे अंदाज में पोज दिए. कार्यक्रम में फिल्म को लेकर उत्साह और चर्चा देखने को मिली.

रामायण की स्क्रीनिंग में एक्टर का देसी अंदाज

बॉलीवुड की मचअवेटेड फिल्म रामायण को लेकर इन दिनों जबरदस्त चर्चा है. फिल्म में कौन सा सितारा किस किरदार में नजर आने वाला है, इसे लेकर दर्शकों के बीच काफी एक्साइटमेंट है. फिल्म 5 नवंबर 2026 को टिकट खिड़की पर दस्तक देने जा रही है. सिनेमा हॉल सज चुके हैं, बस इंतजार है तो रिलीज का. इसी बीच 3 नवंबर को मुंबई में फिल्म की स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई, जहां बॉलीवुड और टीवी जगत की कई जानी-मानी हस्तियां पहुंचीं. लेकिन इस दौरान जिस कपल ने अपने स्टाइल से खास ध्यान खींचा, वो थे अभिनेता रवि दुबे और उनकी पत्नी सरगुन मेहता. दोनों हाथों में हाथ डालकर स्क्रीनिंग में पहुंचे, जिसमें वो कमाल लग रहे थे. खास बात ये है कि रवि फिल्म में भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं. ऐसे में स्क्रीनिंग पर उनका अंदाज भी काफी खास नजर आया. दोनों ने इस मौके पर वेस्टर्न की जगह एथनिक आउटफिट्स को चुना और अपने रॉयल देसी लुक से महफिल लूट ली. चलिए जानते हैं रवि और सरगुन ने क्या पहना. मूंछों वाले लुक में दिखे रॉयल स्क्रीनिंग के लिए रवि दुबे ने ब्लैक कलर का एथनिक आउटफिट चुना. उन्होंने काले रंग का क्लासिक कुर्ता पहना था, जिसके ऊपर मैचिंग बंदगला स्टाइल जैकेट कैरी की. जैकेट पर लगे मेटैलिक बटन उनके पूरे लुक को रॉयल टच दे रहे थे.

ऋतिक रोशन से तलाक के बाद सुजैन खान की जिंदगी में अर्सलान गोनी की एंट्री हुई. दोनों लंबे समय से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. अब यह कपल मालदीव में वेकेशन एन्जॉय कर रहा है.

मालदीव में कपल ने पूल में मस्ती की

सुजैन-अर्सलान का रोमांटिक अंदाज

ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन एक्टर अर्सलान गोनी को डेट कर रही हैं. कपल मालदीव में वेकेशन पर है. सुजैन और अर्सलान ने इंस्टाग्राम पर हॉलिडे की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं. उन्होंने पूल में चिल किया.

कपल ने एक दूसरे के साथ क्वॉलिटी टाइम स्पेंड किया. सुजैन ने बिकिनी में अपनी तस्वीरें पोस्ट की हैं. उनका बोल्ड अंदाज देखकर फैंस हैरान हैं. यूजर्स ने सुजैन की ग्लैमरस अदाओं की तारीफ की है. फोटोज में सुजैन मरून कलर की बिकिनी में हैं. उन्होंने अपनी टोन्ड फिगर फ्लॉन्ट की है.

कपल का पूल में रोमांटिक अंदाज दिखा. दोनों एक दूसरे के प्यार में डूबे हुए दिखे. वो साथ में एडोरेबल लगे. सुजैन और अर्सलान गोनी लाइफ के बेस्ट फेज में हैं.

सुजैन-अर्सलान ने मालदीव में वक्त बिताया

कपल साथ में दुनिया को एक्सपलोर कर रहा है. सुजैन और अर्सलान ने मालदीव में खूबसूरत वक्त बिताया. दोनों की रोमांटिक फोटोज देख फैंस का कहना है वो मेड फॉर ईच अदर हैं.

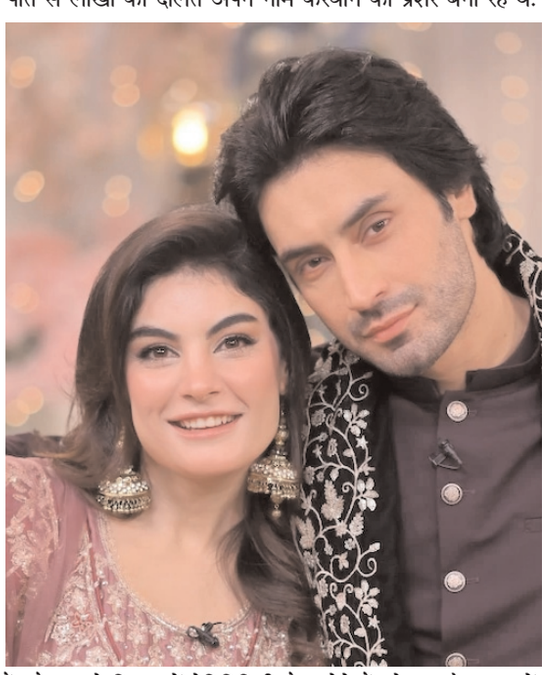
वेकेशन पर सुजैन का स्टनिंग मोड दिखा. उन्होंने एक से बढ़कर एक फैशनेबल अटायर पहने. यूजर्स ने उनके लुक की तारीफ की है. ऋतिक से रिश्ता टूटने के बाद सुजैन की लाइफ में अर्सलान आए. उनके दोनों बच्चों संग भी अर्सलान का अच्छा रिश्ता है.



शादी पर इसरा का खुलासा

इसरा आयशा पाकिस्तानी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं. इसरा पॉपुलर फैशन और लाइफस्टाइल मॉडल हैं. रियलिटी शो तमाशा सीजन 5 में भी उन्होंने काफी सुर्खियां बटोरीं. अब उन्होंने बताया है कि शादी के वक्त उनके घरवाले उनपर पति से लाखों की दौलत अपने नाम करवाने का प्रेशर बना रहे थे.

इसरा आयशा ने अक्टूबर 2026 में तमाशा शो में अपने को-कंटेस्टेंट रहे जेब खान संग निकाह करके घर बसाया है. हाल ही में इसरा ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनके परिवार वाले जेब संग शादी के वक्त उनके दूल्हे से उनके लिए 50 तोले सोना और एक घर की मांग करना चाहते थे. लेकिन उन्होंने पैसों के बजाए प्यार और सुकून चुना. निदा यासिर के पॉडकास्ट में इसरा आयशा बोलीं- निकाह से एक दिन पहले मैं खाला (मौसी) के घर गई थी. मेरी खाला (मौसी) ने मुझसे कहा कि निकाह के वक्त सब मर्दों को बैठाना, बड़ों को बैठाना और फिर मेहर (इस्लाम धर्म में निकाह के समय दूल्हा अपनी दुल्हन को जो पैसा या जूलरी देता है) से 50 तोले सोना लिखवाना, एक घर लिखवाना, क्योंकि फ्यूचर में कुछ भी हो सकता है. इसरा आगे बोलीं- मुझे लगता है कि जब आप ये सोचते हैं कि फ्यूचर में आप अपने पार्टनर से अलग हो सकते हैं और अपने दिमाग में नेगिटिविटी बैठा लेते हैं, तो आपके जहन में वही सब चलता रहता है. इसलिए मैंने सोच लिया था कि मुझे कुछ नहीं चाहिए, क्योंकि उसमें सुकून नहीं होता. इसरा के इस फैसले और समझदारी की फैंस तारीफ कर रहे हैं. पाकिस्तान की आवाम दोनों को हमेशा यूं ही साथ में खुश रहने की दुआएं दे रही है. बता दें कि इसरा ने जेब खान संग लव मैरिज की है. उन्होंने ये भी बताया कि पहले उनके पिता शादी के लिए मान नहीं रहे थे, लेकिन फिर बाद में वो राजी हो गए थे, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि उनकी बेटी कुछ गलत नहीं कर रही, बल्कि शादी कर रही है.



सस्ता होटल और इंटीमेट सीन्स

गटेलीविजन और बॉलीवुड के कई कलाकारों ने करियर की शुरुआत में बी-ग्रेड मूवीज में काम किया. कुछ एक्टर्स-एक्ट्रेसेस ऐसे भी हैं, जिन्होंने आर्थिक तंगी मिटाने के लिए बी-ग्रेड मूवीज में काम किया. आइए जानते हैं कि आखिर बी-ग्रेड मूवीज शूट कैसे होती हैं.

बी-ग्रेड फिल्में आमतौर पर कम बजट, कम समय और छोटी टीम के साथ बनाई जाती हैं. इनका उद्देश्य बड़े सिनेमाघरों या कला से ज्यादा तेज रिटर्न और मासिक दर्शकों को खींचना होता है. बड़ी फिल्मों में पहले स्क्रिप्ट तैयार होती है और फिर लोकेशन तय की जाती है, लेकिन बी-ग्रेड सिनेमा में अक्सर उल्टा होता है.

निर्माता पहले सस्ता होटल, गेस्टहाउस, फार्महाउस या एक ही इंडोर लोकेशन लेते हैं, फिर उसी जगह के हिसाब से कहानी और सीन लिखे जाते हैं. इसीलिए इन फिल्मों में होटल का कमरा, जंगल, गांव का घर, डाकू का अड्डा या भूतिया हवेली जैसी लोकेशन बार-बार दिखती हैं. महंगे सेट, विदेशी शूट या बड़े स्टंट बजट की वजह से संभव नहीं होते.

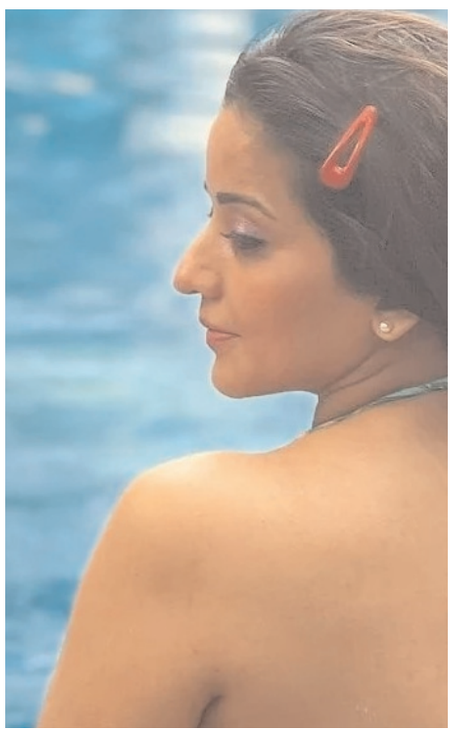
नहीं होते बड़े कलाकारइन फिल्मों में बड़े स्टार नहीं होते. नए चेहरे, मॉडल, स्ट्रगलिंग एक्टर्स और टीवी कलाकारों को मौका दिया जाता है. कई बार एक ही व्यक्ति कई काम करता है, निर्देशक आर्ट डायरेक्टर, कॉस्ट्यूम डिजाइनर या सहायक की भूमिका भी निभाता है. क्रू भी बहुत छोटा रहता है. एक कैमरामैन, लाइटमैन, कुछ प्रोडक्शन असिस्टेंट और जरूरत के हिसाब से कुछ तकनीशियन. डिजिटल कैमरों के आने के बाद खर्च और भी घट गया, क्योंकि महंगे सिंक साउंड और भारी उपकरणों से बचा जा सकता है.

बी-ग्रेड फिल्मों का शेड्यूल बेहद फास्ट होता है. कई फिल्में चार-पांच दिन की शूटिंग में पूरी हो जाती हैं, जबकि कुछ निर्माता 15 दिन में स्क्रिप्ट, शूटिंग, एडिटिंग और मिक्सिंग तक पूरा काम निपटा देते हैं. शिफ्टें भी लंबी होती हैं. कई बार 18 से 20 घंटे तक काम चलता है. इसका कारण साफ है, जितनी जल्दी फिल्म तैयार होगी, उतनी जल्दी रिलीज होगी और पैसा वापस आएगा.

बोल्ड सीन और भड़कीले पोस्टर

कई बी-ग्रेड फिल्मों में कहानी से ज्यादा जोर बोल्ड, हॉरर या एक्शन सीन पर होता है. पोस्टर, टाइटल और ट्रेलर को जानबूझकर भड़कीला बनाया जाता है, ताकि छोटे शहरों के सिंगल स्क्रीन सिनेमाघरों में दर्शक आकर्षित हों.

इंटिमेट सीन शूट करते समय सेट पर सिर्फ जरूरी क्रू मेंबर्स रखे जाते हैं. पहले ये फिल्में छोटे शहरों के सिंगल स्क्रीनों पर चलती थीं. अब सिंगल स्क्रीन घटने के बाद इनका कारोबार ङ्घश्वह्लङ्घह्लड्डद्ग और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर शिफ्ट हो गया है. कम लागत, फास्ट निर्माण और वायरल पोस्टर, यही बी-ग्रेड सिनेमा का असली फॉर्मूला रहा है.





हजारीबाग में NIA की बड़ी कार्रवाई, जाली नोट मामले में पटना के दो सगे भाइयों के ठिकानों पर छापा

रांची. झारखंड के हजारीबाग में जाली नोट से जुड़े मामले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार सुबह बड़ी कार्रवाई की. एनआईए की टीम ने हजारीबाग शहर के बड़ा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत हुरहुरू स्थित बाबा पथ में दो सगे भाइयों के आवास पर छापेमारी की. दोनों भाइयों की पहचान उदय साव और प्रदीप साव के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि दोनों मूल रूप से बिहार की राजधानी पटना के रहने वाले हैं. जाली नोट से जुड़े मामले में एनआईए की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हलचल मच गई है. अब सभी की निगाहें जांच एजेंसी के आधिकारिक खुलासे पर टिकी हैं.जानकारी के मुताबिक, बुधवार अहले सुबह पटना से पहुंची एनआईए की जांच टीम ने हजारीबाग के हुरहुरू स्थित बाबा पथ में उदय साव और प्रदीप साव के आवास पर दस्तक दी. टीम ने दोनों भाइयों के घरों में तलाशी अभियान चलाया. बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई जाली नोट से संबंधित एक मामले की जांच को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से की गई. जांच एजेंसी ने घर में मौजूद विभिन्न सामानों, दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खंगाला.छापेमारी के दौरान जांच टीम ने कई महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और दस्तावेजों की जांच की. स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के अनुसार, एनआईए की टीम अपने साथ प्रिंटर समेत कुछ इलेक्ट्रॉनिक मशीनें और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी लेकर गई है. हालांकि, इन उपकरणों का जाली नोट के मामले से क्या संबंध है और जांच एजेंसी को तलाशी के दौरान किस तरह के साक्ष्य मिले हैं, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है.स्थानीय लोगों के मुताबिक, उदय साव और प्रदीप साव मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं और लंबे समय से हजारीबाग में रह रहे थे. मोहल्ले के लोगों का कहना है कि दोनों भाई ज्यादा लोगों से मेलजोल नहीं रखते थे और अपने काम से काम रखते थे. हालांकि, जाली नोट के मामले में उनकी कथित भूमिका क्या है और जांच एजेंसी को उनके ठिकानों तक पहुंचने के लिए कौन-से सुराग मिले, इस संबंध में फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं है.एनआईए की इस कार्रवाई को लेकर हजारीबाग में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है. जाली नोट से जुड़े मामले में दो सगे भाइयों के आवास पर छापेमारी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं.

प्रिंटर समेत इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच

बिहार में 1 करोड़ की विदेशी शराब जब्त, कागज की बोरियों के नीचे छिपाए थे 1200 कार्टन, चालक गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर. बिहार में शराबबंदी के बावजूद तस्करी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं. मुजफ्फरपुर में उत्पाद विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से करीब 1200 कार्टन विदेशी शराब बरामद की है. जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है. तस्करों ने पुलिस और उत्पाद विभाग की नजरों से बचने के लिए शराब को कागज और कॉटन के टुकड़ों से भरी बोरियों के नीचे छिपा रखा था. मामले में ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है.

जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि पंजाब नंबर के एक ट्रक में विदेशी शराब की बड़ी खेप मुजफ्फरपुर लाई जा रही है. सूचना मिलते ही एएसआई नीरज कुमार सिंह के नेतृत्व



में टीम गठित की गई.

इसके बाद टीम ने बेला फेज-2 स्थित नारायणपुर इंडस्ट्रियल एरिया रोड पर छापेमारी की. यहां सड़क किनारे एक संदिग्ध ट्रक खड़ा मिला. जांच के दौरान ट्रक चालक भी मौके पर मौजूद था.

शुरुआत में चालक ने अधिकारियों को बताया कि ट्रक में ट्रांसपोर्ट से जुड़ा सामान भरा हुआ है. हालांकि, पूछताछ के दौरान उसने शराब की खेप होने की जानकारी दी.इसके बाद अधिकारियों ने ट्रक का पिछला हिस्सा खुलवाया. अंदर कागज और कॉटन के टुकड़ों से भरी बोरियां रखी हुई थीं. जब इन बोरियों को हटाया गया तो उनके नीचे बड़ी संख्या में विदेशी शराब के कार्टन मिले. ट्रक से करीब 1200 कार्टन शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी गई है.गिरफ्तार चालक की पहचान पंजाब के फतेहगढ़ जिले के खमानोल निवासी मनप्रीत सिंह के रूप में हुई है. पूछताछ में उसने बताया कि वह पंजाब से शराब लेकर मुजफ्फरपुर पहुंचा था.चालक के मुताबिक, शराब को अलग-अलग स्थानों पर उतारने की योजना थी. उसे बेला इलाके में ट्रक रोकने के निर्देश मिले थे. यहां मुख्य शराब कारोबारी के पहुंचने के बाद ट्रक उसके हवाले किया जाना था. इस काम के बदले चालक को 10 हजार रुपये देने की बात तय हुई थी.

उत्पाद इंस्पेक्टर प्रकाश कुमार राम के मुताबिक, गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर ट्रक को जब्त किया गया है. बरामद शराब की गिनती और अन्य विवरणों का मिलान कराया जा रहा है.

गिरफ्तार चालक से पूछताछ के आधार पर शराब मंगाने वाले मुख्य कारोबारी और स्थानीय तस्करों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है. चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. वहीं, तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए भी कार्रवाई जारी है.

दीवाली से पहले बजी महिलाओं के मोबाइल में खुशी की घंटी

छत्तीसगढ शासन द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और उनकी आत्मनिर्भरता को सुनिश्चित करने की दिशा में चलाई जा रही महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की माताओं-बहनों को दीवाली के पहले एक ब?ी सौगात मिली है. राज्योत्सव के समापन समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में महतारी वंदन योजना की 33वीं किस्त जारी की. इसके अंतर्गत प्रदेश की 67 लाख 40 हजार 410 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से कुल 632 करोड़ 63 लाख 67 हजार 750 रुपये की राशि अंतरित की गई.

दीवाली से पहले महतारी वंदन योजना की 33 वीं किस्त जारी होने से महिलाओं और उनके परिवार में उत्साह का माहौल है. छत्तीसग? शासन की इस निरंतर वित्तीय सहायता से प्रदेश की महिलाएं अपनी छोटी-छोटी



जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं. ई-केवाईसी पूर्ण करा चुकीं 67 लाख 33 हजार 502 महिला हितग्राहियों को लाभ मिला. इसके साथ ही नियद नेल्ला नार कैंप क्षेत्रों की 6,908 महिलाओं को भी योजना की 33वीं किस्त प्रदान की गई. महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है. योजना का उद्देश्य महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत करना, परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में उनकी सहभागिता बढ़ाना और उन्हें आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बनाना है.

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसग? सरकार ने प्रदेश की विवाहित महिलाओं को आर्थिक रूप से सुद?ृ बनाने के लिए 10 मार्च 2024 को महतारी वंदन योजना की शुरुआत की थी. इस योजना के अंतर्गत 67 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खाते में प्रतिमाह 1000 रुपए अंतरित किए जाते हैं. अब तक योजना की 33वीं किस्त के माध्यम से पात्र महिलाओं के बैंक खाते में 21 हजार 350.50 करो? रुपए अंतरित किए जा चुके हैं. महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि से महिलाएं न केवल परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हुई हैं, बल्कि खास अवसरों और त्योहारों को भी धूमधाम से मनाने में भी सक्षम हुई हैं.

महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने पर व्यापारियों को भी लाभ हुआ है. महतारी वंदन योजना के शुरू होने से बाजारों में रौनक ब?ी है. करवाचौथ से शुरू हुआ महिलाओं के द्वारा खरीदारी का दौर निरंतर जारी है. महिलाओं के आर्थिक रूप से सक्षम होने से परिवार के मुखिया पर आर्थिक बोझ कम हुआ है. इस कारण महिलाएं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का प्रति आभार व्यक्त कर रही हैं.जब शासन की सहायता सही व्यक्ति तक पहुंचती है, तो वह केवल आर्थिक सहयोग नहीं रहती, बल्कि वह किसी महिला के लिए आत्मविश्वास बनती है, किसी परिवार के लिए उम्मीद, किसी बेटी के लिए सुरक्षित भविष्य और किसी बच्चे के लिए स्वस्थ जीवन की शुरुआत होती है.

गुरुग्राम में वारदात, ब्रिटेन से भारत लौटा था युवक होटल के बाथटब में मिला इंजीनियर का शव

गुरुग्राम के एक होटल में 35 साल के भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई. इंजीनियर का शव होटल के कमरे में बाथटब में मिला. मृतक की पहचान प्रांजिल पाठक के रूप में हुई है. वह यूनाइटेड किंगडम (च) के मैनचेस्टर में एक मल्टीनेशनल कंपनी में काम करते थे. कुछ समय पहले ही भारत लौटे थे और जल्द ही उनकी शादी होने वाली थी.घटना गुरुग्राम के सेक्टर-53 स्थित होटल की है. सोमवार रात होटल के रूम नंबर 302 में प्रांजिल का शव मिला. होटल कर्मचारियों को जब कुछ डाउट हुआ तो उन्होंने रूम का गेट खोलकर देखा. अंदर बाथरूम में बने जकूजी के पानी में प्रांजिल अचेत हालत में पड़े थे. डॉक्टर को बुलाया गया, लेकिन जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया. प्रांजिल मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आगरा की ओल्ड ईदगाह कॉलोनी के रहने वाले थे. वह मैनचेस्टर में एक मल्टीनेशनल कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे थे. हाल ही में वह भारत आए थे.सोमवार को वह उत्तराखंड के ऋषिकेश में छुट्टियां बिताकर दिल्ली पहुंचे थे. दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उन्होंने अपने एक दोस्त को छोड़ा, जिसकी फ्लाइट थी. इसके बाद रात में गुरुग्राम के सेक्टर-53 स्थित होटल में रूम बुक किया. उन्होंने होटल के रूम नंबर 302 में चेक-इन किया था.



बिजनेस



पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में धनतेरस को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है. ज्वैलरी दुकानों पर तैयारियां जोरशोर से चल रही हैं.कर्मचारी अपने शोरूम में आकर्षक गहनों को सजा रहे हैं ताकि ग्राहक उन्हें देखते ही पसंद कर लें. दाम गिरने से सोने-चांदी की खरीदारी को लेकर लोगों में उत्साह है.

महीनेभर में कीमत करीब 60 हजार रुपये घटी

चांदी के भाव में भूचाल

चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला जारी है. बुधवार को एमसीएक्स पर कारोबार शुरू होते ही चांदी 2,098 रुपये प्रति किलो सस्ती हो गई. पिछले एक महीने में इसका भाव करीब 60 हजार रुपये टूट चुका है.

सोना-चांदी की कीमत में लगातार बदलाव हो रहा है. बुधवार को भी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर कीमती धातुओं के भाव में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है. खासतौर पर चांदी के दाम में एक बार फिर बड़ी गिरावट आई है और ये कीमती धातु अपने हाई लेवल से और भी ज्यादा सस्ती हो गई है. अगर आप फेस्टिव सीजन में चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो यह बेहतरीन मौका है.मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी की कीमत पर नजर डालें, तो सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को 4

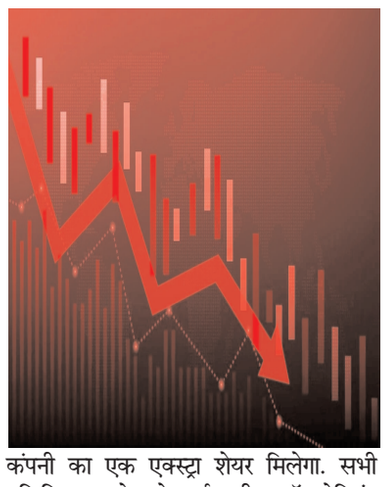


दिसंबर की एक्सपायरी वाली चांदी ओपन होते ही फिसलकर 1,77,600 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई. इससे पहले बीते कारोबारी दिन ये कीमती धातु 1,79,698 रुपये पर बंद हुई थी. इस हिसाब से कैलकुलेशन करें, तो 1 किलो चांदी का भाव 2098 रुपये कम हो गया है. महीनेभर में 60000 रुपये सस्तीबीते 4 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चांदी की कीमत में आई गिरावट पर गौर करें, तो महीने भर में इसका भाव बुरी तरह क्रैश हुआ है. दरअसल, 1 किलो चांदी की वायदा कीमत 4 अक्टूबर को एमसीएक्स पर कारोबार खत्म होने पर 2,37,658 रुपये थी और बुधवार 4 नवंबर को स्?ड्? पर कमोडिटी ट्रेड की शुरुआत होते ही सिल्वर गिरकर 1,77,600 रुपये पर आ गई. यानी ये इस एक महीने में 60,058 रुपये सस्ती हुई है.

हाई से अब इतना घटा सिल्वर प्राइसबात अगर चांदी की वायदा कीमत के लाइफ टाइम हाई लेवल से आई गिरावट के बारे में करें तो बता दें कि एमसीएक्स सिल्वर प्राइस ने इस साल जनवरी महीने के आखिरी सप्ताह में पहली बार 4 लाख रुपये प्रति किलो का ऐतिहासिक स्तर पार किया था और 4,20,048 रुपये प्रति किलो का हाई बनाया था. इसके बाद चांदी की कीमत क्रैश होती चली गई. फिलहाल के भाव से तुलना करें, तो 1 किलो चांदी का दाम अपने हाई से अब 2,42,448 रुपये सस्ती मिल रही है. चांदी के बाद अब बात करें, एमसीएक्स गोल्ड रेट के बारे में, तो 4 दिसंबर की एक्सपायरी वाले 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम बीते कारोबारी दिन 1,39,452 रुपये पर बंद हुआ था

एक झटके में आधा हुआ शेयर

रेखा झुनझुनवाला का निवेशित शेयरों की कीमत बुधवार को 50 फीसदी कम हो गया. कुछ ट्रेडिंग ऐप्स में 50 परसेंट तक गिरे हुए दिखाई दिए. हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि इससे आपकी निवेश की गई रकम कम हो गई है, बल्कि यह कॉर्पोरेट बदलाव के कारण हुआ है. दरअसल, बुधवार को कॉनकॉर्ड बायोटेक के सभी शेयर पहले से घोषित कॉर्पोरेट एक्शन के हिसाब से एक्स-बोनस हो गए. इसने एलिजिबल स्टॉकहोल्डर्स के लिए बोनस इश्यू का ऐलान किया था, जो उनके स्टॉक प्राइस में तेज गिरावट का संकेत है.



कॉनकॉर्ड ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 27 अक्टूबर, 2026 को हुई अपनी मीटिंग में बुधवार, 04 नवंबर को रिकॉर्ड डेट तय की है. इसका मकसद उन शेयरहोल्डर्स की एलिजिबिलिटी तय करना है जो 1:1 के रेश्यो में बोनस इक्विटी शेयर पाने के हकदार हैं, यानी हर मौजूदा पूरी तरह से पेड अप शेयर के लिए बोनस शेयर के तौर पर एक इक्विटी शेयर, जो रेगुलेटरी अप्रूवल पर निर्भर है.

इसका मतलब है कि कॉनकॉर्ड बायोटेक के सभी एलिजिबल शेयरहोल्डर्स को रिकॉर्ड डेट पर उनके पास मौजूद हर शेयर के लिए कंपनी का एक एक्स्ट्रा शेयर मिलेगा. सभी एलिजिबल शेयरहोल्डर्स की स्टॉकहोल्डिंग दोगुनी कर दी जाएगी, लेकिन स्टॉक प्राइस को उसी हिसाब से एडजस्ट किया जाएगा, जिससे टोटल इन्वेस्टेड वैल्यू में कोई बदलाव नहीं होगा.

कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 1,229.90 रुपये पर सेटल हुए और बोनस शेयर जारी होने के एडजस्टमेंट के बाद बुधवार को 610 रुपये पर खुले. हो सकता है कि कुछ ब्रोकरेज के ट्रेडिंग ऐप कल के अनएडजस्टेड शेयर प्राइस दिखा रहे हों और इस तरह, काउंटर पर 50-52 परसेंट की गिरावट का संकेत दे रहे हों.

स्टॉक स्प्लिट के एडजस्टमेंट के बाद, कॉनकॉर्ड बायोटेक के शेयर शुरुआती सेशन में 595 रुपये तक गिर गए थे, लेकिन बुधवार को 4.8 परसेंट की तेजी से बढ़कर 623.65 रुपये पर पहुंच गए, और इसका टोटल मार्केट कैपिटलाइजेशन 13,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया. स्टॉक अगस्त, 2026 में अपने एडजस्टेड 52-हफ्ते के हाई 807.03 रुपये से 24 परसेंट गिर गया है. हालांकि, यह अप्रैल, 2026 में अपने एडजस्टेड 52-हफ़्ते के लो 493.53 रुपये से 26 परसेंट ऊपर है.

1984 में बनी कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड, भारत में मौजूद ऋ?ष्ठ पर चलने वाली बायोफार्मा कंपनी है, जो भारत की लीडिंग कंपनियों में से एक है. कॉनकॉर्ड बायोटेक के शेयर अगस्त 2023 में लिस्ट हुए थे, जब कंपनी ने 741 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 1,550.52 करोड़ रुपये जुटाए थे. स्टॉक अभी अपने एडजस्टेड प्राइस से 70 परसेंट ऊपर है.

दिवंगत दिग्गज इन्वेस्टर राकेश झुनझुनवाला के बच्चों के नाम पर बने तीन डिस्क्रिशनरी ट्रस्ट के पास कंपनी में करीब 2.52 करोड़ इक्विटी शेयर (पोस्ट एडजस्टमेंट बेसिस पर 5.04 करोड़ शेयर) या 24.10 परसेंट हिस्सेदारी है. इस हिस्सेदारी की कीमत अभी 3,143.10 करोड़ रुपये है.

हार्ले की सबसे सस्ती बाइक की एंट्री



हार्ले डेविडसन ने अपनी सबसे छोटी और सस्ती बाइक को रिवील कर दी है. हम बात कर रहे हैं हार्ले की, जिसे कंपनी ने ईआईसीएमए 2026 में पेश किया है. कंपनी ऐसे वक्त पर इस बाइक को लेकर आई है, जब भारत में जीएसटी स्ट्रक्चर में बदलाव का असर मार्केट पर दिख रहा है.

पिछले साल सरकार ने जीएसटी दरों में बदलाव का ऐलान किया था. इसके तहत 350 सीसी तक के इंजन वाली बाइक्स पर 18 परसेंट जीएसटी लग रहा है. जबकि इसके ऊपर के इंजन वाली बाइक्स पर 40 परसेंट जीएसटी है. हार्ले की नई बाइक भारत में लॉन्च हुई, तो 18 परसेंट जीएसटी स्लैब में आएगी.

इससे बाइक की कीमत कम रखने में ब्रांड को मदद मिलेगी. हालांकि, कंपनी ने अभी तक इसकी कीमतों का ऐलान नहीं किया है. टैक्स बदलावों का असर बजाज ऑटो के पोर्टफोलियो पर साफ दिखेगा. जहां कंपनी ने ट्रायम्फ की कई बाइक में अब 350सीसी का इंजन देना शुरू कर दिया है. हालांकि, बजाज ने यहां बाइक्स के नाम में बदलाव नहीं किया है.

क्या होगा बाइक में खास?

हार्ले डेविडसन ने ट्रायम्फ से बिलकुल अलग रास्ता अपनाया है. कंपनी ने यहां अपनी मौजूदा बाइक्स के इंजन को छोटा नहीं किया है बल्कि छोटे इंजन के साथ नई बाइक को इंट्रोड्यूस किया है. हार्ले डेविडसन एक्स350टी का डिजाइन काफी हद तक अपनी बड़ी सिबलिंग एक्स440टी से मिलता है.

बाइक में एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, राइडिंग मोड्स और इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल बॉडी जैसे फीचर्स मिलते हैं. कंपनी ने बताया है कि बाइक में सेगमेंट लिडिंग टॉर्क मिलेगा. हालांकि, कितना मिलेगा ये नहीं बताया है.

ईआईसीएमए 2026 में ही कंपनी ने अपनी सबसे सस्ती क्रूजर बाइक स्प्रिंट 440 440 सीसी का इंजन दिया गया है, जो 27 एचपी की पावर और 38 एनएम का टॉर्क प्रोड्यूस करता है. हार्ले नई बाइक को अमेरिका में अगले साल की शुरुआत में लॉन्च करेगी.

वहीं भारत में ये भी बाइक लॉन्च होगी. भारत में एक्स350 टी को कंपनी एक्स 440 टी के साथ बेचेगी. इससे कंपनी को जीएसटी रेट्स का बेनिफिट मिलेगा. 350सीसी की ये बाइक 18 परसेंट जीएसटी रेट्स के साथ आएगी. फिलहाल इसकी कीमतों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन ये भारत में ब्रांड की सबसे सस्ती बाइक होने वाली है.

स्वामी, प्रकाशक एव मुद्रक श्रीमती ज्योति मिश्रा द्वारा काम्पेक प्रिंटर्स प्रा.लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45 ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-आशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं-0731-4202569 फैक्स नं-0731-4202569